TV उत्तरशक्ति NEWS

मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 8 अंक 222
गुरुवार, 26 फरवरी 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक स्तर पर जीरो टॉलरेंस की नीति होनी चाहिए: पीएम मोदी

इजराइली, 25 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 फरवरी 2026 को अपनी दूसरी आधिकारिक यात्रा पर इजराइल पहुंचे। इससे पहले वह 2017 में ऐतिहासिक दौरे पर गए थे। इस बार भी तेल अवीव स्थित बेन गुरियन एयरपोर्ट पर इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा नेतन्याहू ने स्वयं उनका स्वागत किया।

प्रधानमंत्री मोदी को औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। दोनों नेताओं ने गर्मजोशी से गले मिलकर अभिवादन किया—जिसे अंतरराष्ट्रीय मीडिया में अक्सर मोदी हग कहा जाता है।

दौरे का सबसे अहम पड़ाव इजराइली संसद नेसेट में प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन रहा। वह नेसेट में भाषण देने वाले भारत के पहले प्रधानमंत्री बने। नेसेट के स्पीकर आमिर ओहाना ने हिंदी में नमस्ते कहकर उनका स्वागत किया और यरुशलम में अभिनंदन किया। संसद में मौजूद सदस्यों ने खड़े होकर तालियों से उनका अभिवादन किया।

अपने संबोधन में पीएम मोदी ने 7 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा किए गए हमले का उल्लेख करते हुए निर्दोष नागरिकों की हत्या की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक स्तर पर जीरो टॉलरेंस की नीति होनी चाहिए और इस मुद्दे पर दोहरे मापदंड स्वीकार्य नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत हर कठिन समय में इजराइल के साथ खड़ा है और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है। प्रधानमंत्री मोदी ने

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा समर्थित गाजा शांति पहल का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत टिकाऊ शांति, संवाद और स्थिरता का समर्थक है। उन्होंने दोहराया कि फिलिस्तीनी मुद्दे का न्यायसंगत समाधान और क्षेत्रीय स्थिरता साथ-साथ आगे बढ़नी चाहिए।

प्रधानमंत्री ने दोनों देशों को प्राकृतिक साझेदार बताते हुए स्टार्टअप, रक्षा, कृषि, साइबर सुरक्षा और इनोवेशन जैसे क्षेत्रों में बढ़ते सहयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इजराइल ने रेगिस्तान में तकनीक और नवाचार से चमत्कार किया है, जबकि भारत युवा प्रतिभा और बड़े बाजार की ताकत रखता है। उन्होंने प्रथम विश्व युद्ध के दौरान इस क्षेत्र में शहीद हुए 4,000 से अधिक भारतीय सैनिकों को भी याद किया।

नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री मोदी को प्रिय मित्रह्व और भाई बताते हुए कहा कि भारत और इजराइल दो प्राचीन सभ्यताएं हैं, जिनका रिश्ता विश्वास और सम्मान पर आधारित है। उन्होंने कहा कि भारत 1.4 अरब लोगों की शक्ति है और इजराइल आकार में छोटा होने के बावजूद नवाचार और संकल्प में बड़ा है। दोनों देशों की साझेदारी वैश्विक स्तर पर प्रभावशाली है। नेतन्याहू ने भारत में यहूदी समुदाय को मिले ऐतिहासिक सम्मान के लिए आभार भी जताया।

कांग्रेस ने रणनीतिक अवसरों को कमजोर किया: नितिन गडकरी

नई दिल्ली, 25 फरवरी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कांग्रेस पर भारत के पड़ोसी देशों के साथ सीमा वार्ता में अवसरों को कमजोर करने का आरोप लगाया और तिब्बत और कश्मीर पर पिछली सरकार के फैसलों पर संदेह जताया। एक पोस्ट में, गडकरी ने कांग्रेस को अपारदर्शी राजनीतिक चंदा मिलने और सत्ता और विशेषाधिकार के बीच की रेखा धुंधली होने का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा कि दशकों से कांग्रेस का रिकॉर्ड गंभीर सवाल खड़े करता है। बार-बार रणनीतिक अवसरों को कमजोर किया गया, चाहे वह वैश्विक स्थिति हो, सीमा वार्ता हो या युद्ध के बाद का प्रभाव। तिब्बत, कश्मीर, बेरूबारी जैसे मुद्दे और बाद में वार्ता की मेजों पर दी गई रियायतों को केवल अलग-थलग फैसले कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। गडकरी ने कहा कि इसमें

बार-बार होने वाले खरीद विवाद, अपारदर्शी राजनीतिक चंदे की चिंताएं और सत्ता और विशेषाधिकार के बीच की धुंधली रेखा को भी जोड़ें। जब राष्ट्रीय सीमाएं बातचीत के दायरे में आ जाती हैं, तो संस्थाएं कमजोर हो जाती हैं और जनता का विश्वास कम हो जाता है। इतिहास को ईमानदारी से देखने की जरूरत है, न कि चुनिंदा यादों की। यह घटनाक्रम राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर किए गए हमले के जवाब में भाजपा नेताओं द्वारा समझौते वाली कांग्रेस के आरोपों के बाद सामने आया है। राहुल गांधी ने भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर प्रधानमंत्री पर समझौते का आरोप लगाया था।

आज सुबह केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने आरोप लगाया कि गांधी परिवार पूरी तरह से समझौतावादी राजनीतिक परिवार है और कांग्रेस एक समझौतावादी राजनीतिक दल है। भाजपा मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए गोयल ने पूर्व प्रधानमंत्रियों राजीव गांधी, इंदिरा गांधी और जवाहरलाल नेहरू के कुछ फैसलों की भी आलोचना की। गोयल ने कांग्रेस पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि राहुल गांधी का मतलब समझौता है। एआई शिखर सम्मेलन के दौरान भारतीय युवा कांग्रेस के शर्टलेस विरोध को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच चल रही खींचतान के बीच गोयल ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी नकारात्मक राजनीति के प्रतीक बन गए हैं।

राहुल गांधी भारत विरोधी ताकतों की कठपुतली': पीयूष गोयल

नई दिल्ली। भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर राहुल गांधी के हमलों का जवाब देते हुए, केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को आरोप लगाया कि गांधी परिवार पूरी तरह से समझौतावादी राजनीतिक परिवार है और कांग्रेस एक समझौतावादी राजनीतिक दल है। भाजपा मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, गोयल ने पूर्व प्रधानमंत्रियों राजीव गांधी, इंदिरा गांधी और जवाहरलाल नेहरू के कुछ फैसलों की भी आलोचना की।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर प्रधानमंत्री समझौतावादी हैं के आरोपों के साथ सरकार पर हमला कर रहे हैं। गोयल ने कांग्रेस पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया और कहा कि राहुल गांधी का मतलब समझौता है। एआई शिखर सम्मेलन के दौरान भारतीय युवा कांग्रेस के शर्टलेस विरोध को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच चल रही खींचतान के बीच, गोयल ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी नकारात्मक राजनीति के प्रतीक बन गए हैं। उन्होंने कहा कि गांधी परिवार पूरी तरह से समझौतावादी राजनीतिक परिवार है। राहुल गांधी और उनकी कांग्रेस पार्टी एक समझौतावादी परिवार और समझौतावादी राजनीतिक दल हैं। राहुल गांधी का मतलब ही समझौता है। कांग्रेस पार्टी के इतिहास या वर्तमान को देखिए, चाहे भ्रष्टाचार के अनगिनत मामले हों, या विदेशी शक्तियों के प्रभाव में जनहित और राष्ट्रीय हित से समझौता करना हो, देश और जनता के सामने अनगिनत उदाहरण हैं कि कैसे उन्होंने देश और उसके उज्ज्वल भविष्य, उसके नागरिकों के उज्ज्वल भविष्य से पूरी तरह समझौता कर लिया है। राहुल गांधी नकारात्मक राजनीति के प्रतीक बन गए हैं।

अरुणाचल प्रदेश की युवतियों पर नस्लीय टिप्पणी करने वाली महिला गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने आरोपी रूबी जैन को गिरफ्तार किया है। उस पर आरोप है कि उसने राष्ट्रीय राजधानी के मालवीय नगर में किराएदार के तौर पर रहने वाली तीन नॉर्थ-ईस्ट महिलाओं को नस्लभेदी गालियां दीं और अपमानजनक बातें कहीं। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मामले की जांच एक अउढ-रैंक के अधिकारी कर रहे हैं और आरोपियों के खिलाफ उसी हिसाब से कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा, अधिकारियों ने बताया कि मालवीय नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज ऋक्षक में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार रोकथाम) एक्ट के संबंधित नियम भी जोड़े गए हैं। दिल्ली पुलिस ने एक बयान में कहा, "SC-ST E¢M जोड़ने के बाद अब जांच एक ACP-रैंक के अधिकारी को सौंपी गई है।

किसानों की सब्सिडी में अब नहीं चलेगी कोई भी धांधली: शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली, 25 फरवरी। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में आईसीएआर-आईएआरआई परिसर में तीन दिवसीय पूसा कृषि विज्ञान मेले का उद्घाटन किया। उन्होंने भारतीय कृषि को विकसित कृषि-आत्मनिर्भर भारत की ओर ले जाने के उद्देश्य से व्यापक सुधार एजेंडा की रूपरेखा प्रस्तुत की। एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मंत्री ने स्पष्ट संदेश दिया कि किसानों के भुगतान में देरी, प्रक्रियात्मक अड़चनें और कमजोर निगरानी प्रणाली अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) में आयोजित इस वार्षिक मेले का उद्घाटन एक औपचारिक वृक्षारोपण अभियान के साथ किया गया। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस कार्यक्रम में कृषि सचिव

देवेश चतुर्वेदी, आईसीएआर के महानिदेशक एमएल जाट और आईएआरआई के निदेशक सी.एच. श्रीनिवास राव के साथ-साथ वैज्ञानिक, प्रगतिशील किसान और संस्थागत प्रतिनिधि उपस्थित थे। नीति निर्माण में किसानों को प्राथमिकता देते हुए, चौहान ने किसानों के साथ मंच साझा किया और व्यक्तिगत रूप से एक दिव्यांग किसान की सहायता की, जिससे मंत्रालय द्वारा वर्णित किसान सर्वोपरि दृष्टिकोण को बल मिला। इस कार्यक्रम के दौरान सात किसानों को आईएआरआई कृषि अध्येता पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

बकाया भुगतान के संबंध में मंत्री ने चेतावनी दी कि किसानों के भुगतान में देरी करने वाली किसी भी एजेंसी या राज्य सरकार को रोकी गई राशि पर 12% ब्याज देना होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राज्य स्तर पर देरी होने की स्थिति में केंद्र सरकार किसानों के बैंक खातों में सीधे अपना हिस्सा हस्तांतरित करने के लिए उपाय तलाशेगी। उन्होंने कहा कि किसानों के धन को रोककर देरी से लाभ कमाना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कृषि मशीनीकरण और सब्सिडी से जुड़ी योजनाओं पर चौहान ने बताया कि 18 से अधिक केंद्रीय योजनाएं राज्यों के माध्यम से लागू की जा रही हैं, लेकिन उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी निगरानी की आवश्यकता पर बल दिया कि लाभ वास्तविक किसानों तक पहुंचे।

ईडी का अनिल अंबानी पर अब तक का सबसे बड़ा एक्शन, मुंबई का 3716 करोड़ का घर जब्त

नई दिल्ली, 25 फरवरी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत रिलायंस समूह के अध्यक्ष अनिल अंबानी के मुंबई स्थित आलीशान आवास 'अबोड' पर अस्थायी कुर्की आदेश जारी किया है, जिसकी कीमत चौंका देने वाली 3,716.83 करोड़ रुपये है। पाली हिल के पॉश इलाके में स्थित, 66 मीटर ऊँचा और 17 मंजिला यह आलीशान टावर अब अंबानी समूह की कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) में कथित बैंक धोखाधड़ी से जुड़े मामले में जब्त की गई संपत्तियों की बढ़ती सूची में शामिल हो गया है।

आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार (25 फरवरी) को हुई इस कार्रवाई की पुष्टि की, जिससे इस मामले में

कुल कुर्क की गई संपत्तियों की संख्या लगभग 15,700 करोड़ रुपये हो गई है। मुंबई के सबसे आलीशान इलाकों में से एक में स्थित 'अबोड' इमारत विलासिता का प्रतीक है, लेकिन ईडी के मनी लॉन्ड्रिंग विरोधी अभियान के चलते इसे फिलहाल जब्त कर लिया गया है। एजेंसी का आरोप है कि यह संपत्ति आरकॉम के धोखाधड़ी वाले बैंकिंग लेन-देन से प्राप्त धन से जुड़ी है, जो दूरसंचार कंपनी में वित्तीय अनियमितताओं की जांच में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। 66 वर्षीय अनिल अंबानी से अगस्त 2025 में पीएमएलए के तहत उनकी पहली पेशी और बयान दर्ज होने के बाद, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जल्द ही दूसरी बार पूछताछ की जाएगी। यह ऐसे समय में हो रहा है जब संघीय एजेंसी अपनी जांच को और गहरा कर रही है, और संपत्ति की कुर्की आरकॉम घोटाले से धन की हेराफेरी के प्रयासों को तेज करने का संकेत देती है। प्रवर्तन निदेशालय के विशेष कार्य बल ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत अनिल अंबानी के आलीशान पाली हिल स्थित आवास 'अबोड' को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया है, जिसकी कीमत 3,716.83 करोड़ है।

इससे पहले इसी संपत्ति पर 473.17 करोड़ की आंशिक कुर्की की गई थी, जिससे रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरकॉम) बैंक धोखाधड़ी जांच में सामूहिक रूप से जब्त की गई संपत्तियों की कुल संख्या 15,700 करोड़ से अधिक हो गई है।

होली पर यात्रियों को रेलवे का तोहफा, अमृतसर से चलेगी स्पेशल ट्रेन

फिरोजपुर, 25 फरवरी। उत्तर रेलवे के फिरोजपुर रेल मंडल के वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक परमदीप सिंह सैनी ने बुधवार को बताया कि रेल यात्रियों के सुविधाजनक आवागमन के लिए रेलवे द्वारा होली के मद्देनजर निम्नलिखित आरक्षित स्पेशल रेलगाड़ियों का संचालन किया जाएगा। रेलगाड़ी संख्या 04664/04663 अमृतसर-पटना- अमृतसर आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस इसमें शामिल है।आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 04664 अमृतसर से पटना के लिए 27.02.2026, 02.03.2026 तथा 05.03. 2026 (तीन ट्रिप) को चलेगी। यह ट्रेन अमृतसर से सुबह 09:45 बजे प्रस्थान कर लगभग 27 घंटे बाद दोपहर 13:30 बजे पटना पहुँचेगी।आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 04663 पटना से अमृतसर के लिए 28.02.2026, 03.03.2026 तथा 06.03. 2026 (तीन ट्रिप) को चलेगी। यह ट्रेन पटना से शाम 16:00 बजे प्रस्थान कर लगभग 28 घंटे बाद रात्रि 20:00 बजे अमृतसर पहुँचेगी।यात्रियों की सुविधा के लिए मार्ग में यह आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेन दोनों दिशाओं में ब्यास रेलवे स्टेशन, जालंधर सिटी रेलवे स्टेशन, ढंडारी कलां रेलवे स्टेशन, सरहिंद रेलवे स्टेशन, अंबाला कैंट रेलवे स्टेशन, यमुनानगर-जगाधरी रेलवे स्टेशन, सहारनपुर रेलवे स्टेशन।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
- Std. XI & XII (Sci.)
- NEET
- JEE (Main & Advance)
- MHT-CET
- Polytechnic & Engg
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

शिक्षा को हिंसक नहीं, संवेदनशील बनाना होगा

-ललित गर्ग

देश में इन दिनों बोर्ड परीक्षाएं चल रही हैं और सामान्य परीक्षाएं भी शुरू होने वाली हैं। हर साल की तरह इस बार भी परीक्षा का मौसम केवल प्रश्नपत्रों और परिणामों का नहीं, बल्कि मानसिक दबाव, चिंता और असुरक्षा का मौसम बनता जा रहा है। छात्रों के चेहरों पर भविष्य की चिंता साफ पढ़ी जा सकती है। यह चिंता केवल अच्छे अंक लाने की नहीं, बल्कि अपेक्षाओं के बोझ को ढोने की है। दुर्भाग्य यह है कि यह दबाव कई बार इतना असहनीय हो जाता है कि वह आत्मघाती या हिंसक रूप ले लेता है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े एक भयावह सच उजागर करते हैं। वर्ष 2013 से 2023 के बीच छात्रों की आत्महत्या की दर में लगभग 65 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि हजारों परिवारों के टूटने की कहानी है। इन आत्महत्याओं के पीछे पढ़ाई का दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएं, सामाजिक तुलना और आर्थिक तनाव प्रमुख कारण बताए जाते हैं। लेकिन हाल में लखनऊ में जो घटना सामने आई, उसने इस संकट को एक और

खतरनाक दिशा में मोड़ दिया है।

लखनऊ की घटना केवल परीक्षा दबाव की कहानी नहीं है, बल्कि परिवारों में बढ़ती संवेदनहीनता, संवादहीनता और मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा का दर्पण है। पुलिस जांच के अनुसार एक पैथोलॉजी लैब संचालक पिता अपने बेटे को डॉक्टर बनाना चाहते थे और उस पर नीट जैसी परीक्षा पास करने का लगातार दबाव बना रहे थे। घटना वाले दिन भी दोनों के बीच बहस हुई और 21 वर्षीय युवक ने पिता की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने अपराध छिपाने के लिए शव के टुकड़े किए, कुछ बाहर फेंके, कुछ घर में छिपाए, छोटी बहन को धमकाया और पुलिस को गुमराह करने के लिए पहले लापता होने और फिर आत्महत्या की कहानी गढ़ी। यह सब बताता है कि यह क्षणिक आवेश नहीं था, बल्कि भीतर लंबे समय से पल रही कुंठा, आक्रोश और मानसिक विघटन का परिणाम था। प्रश्न यह है कि एक बेटे के भीतर इतनी नफरत कैसे पनप सकती है? क्या कुछ बनने का दबाव इतना भारी हो सकता है कि वह रिश्तों को भी तार-तार कर दे? हर माता-पिता चाहते हैं कि उनकी संतान सफल हो, प्रतिष्ठित करियर बनाए, समाज में सम्मान पाए। लेकिन जब यह चाहत संवाद और सहयोग की जगह नियंत्रण और दबाव का रूप ले लेती है, तब वह प्रेरणा नहीं, मानसिक उत्पीड़न बन जाती है। जब शिक्षा जीवन-निर्माण का माध्यम न होकर, विनाश का कारण बन जाती है।

भारत में नीट और जी जैसी प्रतियोगी परीक्षाएं लाखों युवाओं के लिए उम्मीद का प्रतीक हैं। नीट में पिछले वर्ष 23 लाख से अधिक छात्रों ने पंजीकरण कराया, जबकि ज्वाइंट एन्ट्रेंस एक्जामिनेशन (जेईई) के एक सत्र में 13 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने आवेदन किया। इन लाखों विद्यार्थियों में से केवल कुछ हजार ही शीर्ष संस्थानों तक पहुंच पाते हैं। शेष विद्यार्थियों के हिस्से अक्सर निराशा, आत्मग्लानि और सामाजिक तुलना का दंश आता है। जब सफलता का पैमाना केवल रैंक और अंक बन जाए, तो असफलता जीवन का अंत प्रतीत होने लगती है। कोटा जैसे कोचिंग केंद्रों में हर वर्ष आत्महत्या की खबरें सामने आती हैं। कोटा देश की कोचिंग राजधानी कही जाती है, जहां हजारों छात्र सपने लेकर पहुंचते हैं। लेकिन उन्हीं सपनों का बोझ कई बार उनके जीवन से भारी पड़ जाता है। यह केवल व्यक्तिगत कमजोरी का मामला नहीं है, बल्कि एक ऐसी शिक्षा प्रणाली का परिणाम है जिसमें प्रतियोगिता सहयोग से अधिक महत्त्वपूर्ण हो गई है।

लखनऊ की घटना में एक और तथ्य उल्लेखनीय है-आरोपी छात्र की मां का निधन हो चुका था। घर में चाचा-चाची मौजूद थे, लेकिन क्या उस युवक की मनःस्थिति को समझने का प्रयास किया गया? क्या उसके भीतर के तनाव, अकेलेपन और भय को किसी ने सुना? यदि परिवार में नियमित संवाद होता, यदि मानसिक स्वास्थ्य को उतनी ही गंभीरता से लिया जाता जितनी अंकों को, तो शायद यह भयावह वारदात टाली जा सकती थी। आज समस्या केवल आत्महत्या तक सीमित नहीं है। बच्चे हिंसक भी हो रहे हैं। यह हिंसा बाहरी नहीं, भीतर से उपज रही है-कुंठा, अपमानबोध, तुलना और असफलता के भय से। जब बच्चे को यह महसूस होने लगे कि वह केवल एक प्रोजेक्ट है, एक इन्वेस्टमेंट है, जिसे किसी निश्चित पेशे में ढालना है, तब उसकी स्वतंत्र पहचान कुचल जाती है। वह या तो भीतर ही भीतर टूट जाता है या विस्फोट कर देता है।

शिक्षा का उद्देश्य जीवनदायिनी होना चाहिए-विवेक, संवेदना और आत्मविश्वास का विकास करना चाहिए। लेकिन जब शिक्षा केवल प्रतिस्पर्धा और रैंकिंग का माध्यम बन जाए, तो वह तनाव और हिंसा को जन्म देती है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि हर बच्चा डॉक्टर या इंजीनियर नहीं बन सकता, और न ही बनना चाहिए। विविध प्रतिभाओं को सम्मान देने वाली सामाजिक मानसिकता विकसित किए बिना यह संकट कम नहीं होगा। इस संदर्भ में तीन स्तरों पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। पहला, परिवार। माता-पिता को यह समझना होगा कि अपेक्षा और दबाव में अंतर है। अपेक्षा प्रेरणा देती है, दबाव भय पैदा करता है। बच्चों के साथ खुला संवाद, उनकी रुचियों को समझना, असफलता को स्वीकार्य बनाना और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना अत्यंत आवश्यक है। तुम्हें डॉक्टर बनना ही है की जगह तुम जो बनना चाहो, हम साथ हैं जैसी सोच विकसित करनी होगी। दूसरा, शिक्षा संस्थान। स्कूल और कोचिंग संस्थानों को केवल परिणाम देने वाली मशीन नहीं, बल्कि संवेदनशील संस्थान बनना होगा। नियमित काउंसलिंग, तनाव प्रबंधन कार्यशालाएं और परीक्षा को जीवन-मरण का प्रश्न न बनाने की संस्कृति विकसित करनी होगी। शिक्षकों को भी विद्यार्थियों की मानसिक दशा पहचानने का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। तीसरा, सरकार और समाज। मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और कलंकमुक्त बनाना होगा। परीक्षा प्रणाली में सुधार, वैकल्पिक करियर मार्गों को बढ़ावा, और कौशल आधारित शिक्षा पर जोर देना समय की मांग है। मीडिया को भी सनसनी की बजाय संवेदनशील रिपोर्टिंग करनी चाहिए।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम इन घटनाओं को सामान्य न मानें। हर आत्महत्या और हर हिंसक घटना हमारे सामाजिक ताने-बाने में दरार का संकेत है। यदि हम इसे केवल व्यक्तिगत मामला कहकर टाल देंगे, तो आने वाले समय में ऐसी घटनाएं और बढ़ेंगी। लखनऊ की घटना हमें झकझोरती है। यह बताती है कि शिक्षा का दबाव, पारिवारिक संवादहीनता और मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा मिलकर कितनी भयावह परिणति ला सकती है। अब समय है कि हम सामूहिक आत्ममंथन करें। शिक्षा को जीवन का उत्सव बनाएं, न कि भय का कारण। बच्चों को लक्ष्य दें, लेकिन उनके पंख न काटें। सपने दिखाएं, पर उन्हें सांस लेने की जगह भी दें। जब तक हम सफलता की परिभाषा को व्यापक नहीं करेंगे और बच्चों को अंक से अधिक मनुष्य मानना नहीं सीखेंगे, तब तक यह संकट बना रहेगा। परीक्षा का मौसम हर साल आएगा, लेकिन यदि हम संवेदनशील समाज बन सके, तो शायद अगली पीढ़ी के लिए यह मौसम भय का नहीं, आत्मविश्वास का प्रतीक बन सकेगा।

गुलाल की एक चुटकी और टूटते दिलों के फासले

-सुरेश गांधी

फाल्गुन की मादक हवा जब मन की देहरी पर दस्तक देती है, तब मौसम ही नहीं, भावनाएं भी रंग लेने लगती हैं। साथ होली का उल्लास समाज को फिर से जोड़ने आतुर होने लगता है। रिश्तों की धूल झरने लगती है, मन की गांठें खुलने लगती हैं और समाज का सामूहिक हृदय उल्लास से भर उठता है। यही वह क्षण होता है जब होली केवल एक त्योहार नहीं रहती, बल्कि संवेदनाओं का उत्सव बन जाती है। मतलब साफ है रंगों की फुहार केवल चेहरों को नहीं, बल्कि रिश्तों को भी सराबोर कर रही है। गिले-शिकवे भूलकर लोग एक-दूसरे को गुलाल लगा रहे हैं और भाईचारे का संदेश दे रहे हैं। होली का पर्व आते ही बाजार से लेकर आंगन तक उत्साह की रंगत गहराने लगी है।

रिश्तों में मिठास घुल रही है और समाज में सामूहिकता की नई तस्वीर उभरने लगती है। या यूं कहे तेज रफ्तार जिंदगी में दूर होते रिश्तों को होली फिर करीब ला रही है। रंगों का यह पर्व केवल परंपरा नहीं, बल्कि सामाजिक विश्वास और भावनात्मक जुड़ाव का जीवंत उत्सव बन गया है। यह पर्व रंगों के बहाने मनुष्य को मनुष्य से जोड़ने की एक सांस्कृतिक प्रक्रिया है, जहाँ मुस्कान संवाद बनती है और गुलाल अपनापन। होली भारतीय जीवन का वह जीवंत अध्याय है जिसमें परंपरा, आध्यात्मिकता, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक उत्साह एक साथ रंगों की तरह घुलते दिखाई देते हैं। यह त्योहार हमें याद दिलाता है कि जीवन का सबसे सुंदर रंग प्रेम है और सबसे बड़ा उत्सव मिलन।

रंगों में भीगती संवेदनाएँ, रिश्तों में घुलता विश्वास

होली का नाम लेते ही मन में उमंग की लहर दौड़ जाती है। जैसे किसी ने दिल के भीतर छिपे बचपन को जगाकर कह दिया हो, "अब मुस्कुराने का समय आ गया है" यह पर्व सामाजिक दूरियों को मिटाने का माध्यम है। वर्ष भर के मतभेद इस दिन गुलाल की एक चुटकी में धुल जाते हैं। आज जब जीवन की गति तेज हो चुकी है और रिश्तों में औपचारिकता बढ़ती जा रही है, तब होली हमें ठहरकर संबंधों की गरमाहट महसूस करने का अवसर देती है। परिवारों में जो संवाद कम हो गया है, वह इस दिन स्वतः लौट आता है। घरों में गुझिया की खुशबू, आंगन में रंगों की छटा और चौखट पर आने-जाने वाले मेहमान, सब मिलकर सामाजिक संस्कृति की जीवंत तस्वीर बनाते हैं।

बुराई पर अच्छाई की विजय का सांस्कृतिक संदेश

होली का पौराणिक आधार हमें जीवन का गहरा दर्शन देता है। कथा के अनुसार भक्त प्रह्लाद की अटूट आस्था और दुष्ट होलिका के अहंकार का परिणाम आज भी हर वर्ष होलिका दहन के रूप में सामने आता है। यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि एक प्रतीकात्मक सामाजिक संदेश है, अहंकार जलता है, विश्वास बचता है। आज के संदर्भ में देखें तो यह पर्व हमें अपने भीतर के क्रोध, ईर्ष्या, द्वेष और नकारात्मकता को जलाने की प्रेरणा देता है। आधुनिक समाज में मानसिक तनाव बढ़ रहा है, ऐसे में होली आत्मशुद्धि का सांस्कृतिक अवसर भी है।

सामाजिक समरसता का सबसे बड़ा उत्सव

होली का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष इसका लोकतांत्रिक स्वरूप है। यह त्योहार किसी वर्ग, जाति या आर्थिक स्थिति का नहीं, बल्कि समाज के हर व्यक्ति का है। रंग लगाते समय कोई बड़ा या छोटा नहीं रहता। यही कारण है कि होली को सामाजिक समरसता का सबसे सशक्त पर्व माना जाता है। ग्रामीण भारत में आज भी फाग के गीतों के साथ सामूहिकता की अनूठी परंपरा जीवित है। चौपालों पर ढोलक बजती है, लोकगीत गूंजते हैं और पूरा गांव एक परिवार बन जाता है। शहरों में भी अपार्टमेंट संस्कृति के बीच यह त्योहार लोगों को एक-दूसरे के करीब लाने का माध्यम बनता है।

फाल्गुन की मधुर बयार जब प्रकृति के आंचल में रंगों की चादर बिछाती है, तब मनुष्य का मन भी अनायास ही उल्लास से भर उठता है। होली केवल एक पर्व नहीं, बल्कि भावनाओं का वह उत्सव है जिसमें रिश्तों की गरमाहट, सामाजिक समरसता और जीवन की सकारात्मकता एक साथ खिल उठती है। यह त्योहार हमें याद दिलाता है कि जीवन की भागदौड़ में भले ही संवाद कम हो जाए, पर अपनापन कभी समाप्त नहीं होता, बस उसे जगाने के लिए एक अवसर चाहिए, और वही अवसर बनकर आती है होली। गुलाल की एक चुटकी मानो मन के द्वार खोल देती है, जहां गिले-शिकवे धीरे-धीरे पिघलने लगते हैं और मुस्कान संवाद का माध्यम बन जाती है। होली रंगों के माध्यम से जीवन के विविध आयामों को जोड़ने का संदेश देती है। यह पर्व बताता है कि भिन्नताओं के बीच भी एकता संभव है और रिश्तों की मजबूती ही समाज की सबसे बड़ी शक्ति है। प्रकृति के नवोन्मेष के साथ यह त्योहार हमें भी भीतर से नया बनने की प्रेरणा देता है, कटुता को जलाकर प्रेम को अपनाने की। यही कारण है कि होली भारतीय संस्कृति की उस जीवंत परंपरा का प्रतीक है, जहां उत्सव केवल मनाया नहीं जाता, बल्कि जिया जाता है

फागुन और प्रकृति का रंगोत्सव

फाल्गुन केवल कैलेंडर का महीना नहीं, प्रकृति का उत्सव है। सरसों के पीले फूल, गेहूं की लहराती बालियां और आम की बौर, सब मिलकर प्रकृति की रंगोली सजाते हैं। यह वही समय है जब वातावरण में नवजीवन का संचार होता है। प्रकृति का यह परिवर्तन हमें भी जीवन में सकारात्मक बदलाव स्वीकार करने का संदेश देता है। जैसे पेड़ पुराने पत्ते छोड़ देते हैं, वैसे ही मनुष्य को भी पुरानी कटुता छोड़ देनी चाहिए।

प्रेम और लोकसंस्कृति का जीवंत प्रतीक

होली का सबसे मनमोहक रूप ब्रज की परंपराओं में दिखाई देता है, जहाँ कृष्ण और राधा के प्रेम प्रसंगों ने इसे सांस्कृतिक ऊंचाई प्रदान की। रंगों के माध्यम से व्यक्त प्रेम का यह स्वरूप भारतीय लोकजीवन की सबसे सुंदर अभिव्यक्ति है। फाग, धमार, ठुमरी और लोकगीतों में जो उल्लास मिलता है, वह केवल मनोरंजन नहीं बल्कि भावनात्मक संवाद है। यही कारण है कि होली केवल खेली नहीं जाती, बल्कि गाई भी जाती है।

रंगों का मनोविज्ञान और आध्यात्मिक विज्ञान

रंग केवल दृश्य अनुभूति नहीं, मनोवैज्ञानिक प्रभाव भी रखते हैं। लाल रंग उत्साह और ऊर्जा का प्रतीक है, पीला रंग ज्ञान और सकारात्मकता का, हरा रंग समृद्धि का, नीला रंग विस्तार और गहराई का. भारतीय परंपरा में रंगों का प्रयोग आध्यात्मिक साधना तक में किया गया है। तिलक, वस्त्र, ध्वज और पूजा सामग्री में रंगों का चयन केवल सौंदर्य के लिए नहीं बल्कि मनोभावों को जागृत करने के लिए किया गया। होली हमें बाहरी रंगों के साथ भीतर के रंगों को भी पहचानने का अवसर देती है। सकारात्मकता का सामाजिक अभियान

होली हमें जीवन के प्रति आशावादी दृष्टिकोण देती है। यह सिखाती है कि कठिनाइयों के बीच भी उत्सव संभव है। यदि समाज में संवाद बना रहे तो मतभेद स्थायी नहीं रहते। आज जब सामाजिक तनाव बढ़ रहे हैं, तब होली जैसे पर्व हमें संवाद और सहिष्णुता का रास्ता दिखाते हैं।

आध्यात्मिक चेतना का रंग

होली का एक सूक्ष्म आध्यात्मिक पक्ष भी है। यह आत्मा के उत्सव का प्रतीक है। रंगों का मिलना हमें यह समझाता है कि विविधता में ही सौंदर्य है। आध्यात्मिक दृष्टि से यह पर्व अहंकार को त्यागकर प्रेम को अपनाने का अवसर देता है। होली हमें भीतर से हल्का होने का अवसर देती है।

भारतीय संस्कृति की जीवित पहचान

हजारों वर्षों बाद भी यदि होली का उत्साह कम नहीं हुआ है, तो इसका कारण है इसकी सामाजिक उपयोगिता। यह त्योहार केवल परंपरा नहीं, जीवन पद्धति है। इसमें लोक है, शास्त्र है, संस्कृति है और आधुनिकता के साथ तालमेल बैठाने की क्षमता भी। होली भारतीय समाज की उस शक्ति का प्रतीक है जो हर परिस्थिति में उत्सव ढूंढ लेती है।

रंगों से रिश्तों तकः होली हमें याद दिलाती है कि जीवन का सबसे सुंदर रंग प्रेम है। यदि मन में सकारात्मकता हो तो हर दिन होली बन सकता है। यह पर्व केवल रंग खेलने का नहीं, बल्कि रिश्तों को संवारने का अवसर है। जब हम किसी को रंग लगाते हैं, तब केवल चेहरा नहीं रंगताकृदिल भी रंगता है। जब दिल रंगते हैं, तब समाज मजबूत होता है। इस वर्ष होली केवल उत्सव न बने, बल्कि एक सामाजिक संकल्प बने, कटुता जलाने का, संवाद बढ़ाने का और प्रेम के रंग फैलाने का। क्योंकि सच यही है, रिश्तों में खुशियों की आहट तभी आती है, जब जीवन में होली उतरती है।

परिवारों को जोड़ने वाला भावनात्मक अवसर

तेज रफ्तार जीवन ने परिवारों को समय से दूर कर दिया है। ऐसे में होली एक भावनात्मक पुनर्मिलन का अवसर बनती है। कई लोग वर्ष भर बाद अपने घर लौटते हैं, रिश्तेदार मिलते हैं और पुरानी यादें ताजा होती हैं। होली का यही पारिवारिक पक्ष इसे विशेष बनाता है। यह त्योहार हमें बताता है कि रिश्ते समय मांगते हैं और उत्सव उन्हें जीवित रखते हैं।

आधुनिक जीवन में होली का बदलता स्वरूप

समय के साथ त्योहारों के रूप में बदलाव आना स्वाभाविक है। आज डिजिटल युग में संदेश मोबाइल से भेजे जाते हैं, लेकिन वास्तविक आनंद अब भी व्यक्तिगत मिलन में ही है। सोशल मीडिया की होली रंग दिखाती है, लेकिन दिलों की होली केवल मुलाकात से ही खिलती है। आज आवश्यकता है कि हम इस पर्व को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाएं, प्राकृतिक रंगों का उपयोग करें, जल की बचत करें और त्योहार को स्वस्थ संस्कृति का माध्यम बनाएं।

आर्थिक गतिविधियों का भी बड़ा केंद्र

होली केवल सांस्कृतिक पर्व नहीं बल्कि आर्थिक गतिविधियों का भी बड़ा माध्यम है। बाजारों में रंग, पिचकारी, मिठाइयाँ, कपड़े और सजावटी सामग्री की बिक्री से व्यापार में तेजी आती है। छोटे दुकानदारों से लेकर बड़े व्यापारियों तक सभी के लिए यह पर्व आर्थिक अवसर लेकर आता है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में भी इसका सकारात्मक प्रभाव देखा जाता है।

विधायकों के टेलीफोन भत्तेः फिजूलखर्ची या जनसंपर्क की अनिवार्यता?

-डॉ. सत्यवान सौरभ

लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनप्रतिनिधियों को मिलने वाली सुविधाएं हमेशा चर्चा और बहस का विषय रही हैं। वेतन और भत्तों का मूल उद्देश्य यह माना जाता है कि निर्वाचित प्रतिनिधि आर्थिक चिंता से मुक्त होकर जनता की सेवा कर सकें। लेकिन जब इन सुविधाओं का आकार बढ़ता है और उनके उपयोग में पारदर्शिता कम दिखाई देती है, तो स्वाभाविक रूप से सवाल उठते हैं। हाल ही में बिहार विधानसभा द्वारा विधायकों और विधान पार्षदों के लिए मासिक टेलीफोन भत्ता बढ़ाकर 8300 रुपये करने का निर्णय सामने आया है। इस फैसले की सबसे खास बात यह है कि यह राशि बिना किसी बिल या वाउचर के दी जाएगी। यानी खर्च का प्रमाण देना अनिवार्य नहीं होगा। यही कारण है कि यह विषय अचानक सार्वजनिक चर्चा का केंद्र बन गया है।

आज का भारत डिजिटल क्रांति के दौर से गुजर रहा है। मोबाइल फोन और इंटरनेट ने संचार के स्वरूप को पूरी तरह बदल दिया है। कुछ साल पहले तक कॉल दरें और डेटा पैक महंगे हुआ करते थे, लेकिन अब निजी टेलीकॉम कंपनियों के कारण संचार सेवाएं काफी सस्ती हो चुकी हैं। आम नागरिक 300 से 400 रुपये के मासिक रिचार्ज में अनलिमिटेड कॉल, डेटा और संदेश की सुविधा प्राप्त कर लेता है। ऐसे समय में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब देश का आम व्यक्ति इतनी कम राशि में अपना संचार चला सकता है, तो जनप्रतिनिधियों के लिए हजारों रुपये का अलग भत्ता क्यों आवश्यक है। बिहार के इस निर्णय ने एक व्यापक बहस को जन्म दिया है। राज्य में कुल 243 विधायक हैं। यदि हर विधायक को प्रति माह 8300 रुपये का टेलीफोन भत्ता दिया जाता है, तो सालाना यह राशि करोड़ों रुपये तक पहुंच जाती है। आलोचकों का कहना है कि यह पैसा सार्वजनिक धन है और इसे शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास या अन्य जरूरी क्षेत्रों में भी लगाया जा सकता है। यही वजह है कि सोशल मीडिया पर कई लोग इसे अनावश्यक खर्च या राजनीतिक विशेषाधिकार के रूप में देख रहे हैं।

हालांकि इस विषय का दूसरा पक्ष भी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जनप्रतिनिधियों का काम केवल विधानसभा तक सीमित नहीं होता। उन्हें अपने निर्वाचन क्षेत्र की जनता से लगातार संपर्क बनाए रखना पड़ता है। नागरिकों की समस्याएं सुनना, अधिकारियों से बातचीत करना, सरकारी योजनाओं की जानकारी देना और पार्टी के कार्यक्रमों में भाग लेना—इन सबके लिए निरंतर संचार जरूरी होता है। कई बार एक विधायक को दिन भर में सैकड़ों फोन कॉल करने या प्राप्त करने पड़ते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क की समस्या के कारण अलग-अलग कंपनियों के सिम कार्ड भी रखने पड़ते हैं। इसके अलावा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, ऑनलाइन बैठकें और सोशल मीडिया के माध्यम से संवाद भी अब जनप्रतिनिधियों के काम का हिस्सा बन चुके हैं। फिर भी बहस का असली मुद्दा केवल राशि नहीं, बल्कि पारदर्शिता है। यदि किसी भत्ते का उपयोग स्पष्ट रूप से दर्ज हो और उसका हिसाब सार्वजनिक हो, तो विवाद कम हो जाते हैं। लेकिन जब भत्ता बिना बिल के दिया जाता है, तब यह संदेह पैदा होता है कि कहीं यह सुविधा अतिरिक्त आय का माध्यम तो नहीं बन रही। यही कारण है कि कई विशेषज्ञों का मानना है कि संचार भत्ता दिया जाना गलत नहीं है, लेकिन उसके उपयोग को पारदर्शी और जवाबदेह बनाना जरूरी है। भारत के विभिन्न राज्यों में विधायकों को मिलने वाले टेलीफोन या संचार भत्ते अलग-अलग हैं। उदाहरण के तौर पर उत्तर प्रदेश में विधायकों को लगभग 10,000 रुपये तक का संचार भत्ता मिलता है। महाराष्ट्र जैसे बड़े और महंगे राज्य में यह राशि इससे भी अधिक हो सकती है। दूसरी ओर हरियाणा में अपेक्षाकृत कम भत्ता दिया जाता है। केरल ने कोविड महामारी के बाद अपने भत्तों में कटौती कर एक उदाहरण भी पेश किया था। वहीं दिल्ली में संचार और यात्रा भत्ते को मिलाकर दिया जाता है। इन उदाहरणों से स्पष्ट है कि राज्यों में कोई समान नीति नहीं है और हर राज्य अपनी परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लेता है। यह भी सच है कि समय के साथ तकनीक ने संचार को आसान और सस्ता बना दिया है। पहले जहां लंबी दूरी की कॉल महंगी होती थी, वहीं आज इंटरनेट आधारित सेवाओं ने संचार की लागत को काफी कम कर दिया है। व्हाट्सएप कॉल, वीडियो मीटिंग और सोशल मीडिया के माध्यम से संवाद अब सामान्य बात हो गई है। इसलिए कई लोग यह सवाल उठाते हैं कि क्या भत्तों की वर्तमान संरचना अभी भी पुराने समय की जरूरतों के आधार पर चल रही है। लोकतंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांत माने जाते हैं। जनता अपने प्रतिनिधियों को इसलिए चुनती है ताकि वे उनकी समस्याओं को समझें और समाधान के लिए काम करें। ऐसे में यदि जनप्रतिनिधियों को मिलने वाली सुविधाओं के बारे में स्पष्ट जानकारी उपलब्ध हो, तो जनता का विश्वास भी मजबूत होता है। लेकिन जब खर्च का विवरण अस्पष्ट होता है, तब आलोचना स्वाभाविक हो जाती है।

विशेषज्ञों का सुझाव है कि इस व्यवस्था को अधिक संतुलित बनाने के लिए कुछ सुधार किए जा सकते हैं। उदाहरण के लिए, टेलीफोन भत्ते के लिए बिल या डिजिटल रिकॉर्ड अनिवार्य किया जा सकता है। सरकार चाहें तो आधिकारिक मोबाइल कनेक्शन उपलब्ध करा सकती है, जिससे खर्च सीधे नियंत्रित और मॉनिटर किया जा सके। इसके अलावा भत्ते की एक अधिकतम सीमा तय की जा सकती है ताकि अनावश्यक खर्च से बचा जा सके। समय-समय पर ऑडिट और सार्वजनिक रिपोर्ट भी इस प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बना सकती है।

यह मुद्दा केवल एक भत्ते का नहीं, बल्कि शासन की सोच का भी है। यदि सरकारें और जनप्रतिनिधि खुद पारदर्शिता को बढ़ावा देंगे, तो जनता का भरोसा भी मजबूत होगा। दूसरी ओर यदि सुविधाएं बढ़ती रहें और जवाबदेही कम होती जाए, तो लोकतंत्र में अविश्वास की भावना पैदा हो सकती है। अंततः यह समझना जरूरी है कि जनप्रतिनिधियों को संचार के साधन उपलब्ध कराना गलत नहीं है। वास्तव में यह उनकी जिम्मेदारियों को निभाने में मदद करता है। लेकिन इस सुविधा का स्वरूप ऐसा होना चाहिए जो व्यावहारिक भी हो और जवाबदेह भी। आज जब देश डिजिटल पारदर्शिता की ओर बढ़ रहा है, तब सरकारी खर्च के हर पहलू को भी उसी दिशा में ले जाना समय की मांग है। टेलीफोन भत्ते पर उठी यह बहस हमें एक व्यापक प्रश्न की ओर ले जाती है—क्या हमारी राजनीतिक व्यवस्था जनता के प्रति उतनी ही जवाबदेह है जितनी होनी चाहिए? यदि इस बहस से पारदर्शिता और सुधार की दिशा में कदम बढ़ते हैं, तो यह लोकतंत्र के लिए एक सकारात्मक संकेत होगा।

नफरत के सौदागरों को शांतिप्रिय जनता का जवाब

देश में धर्म व जाति के नाम पर नफरत परोसने का जो एक नियोजित षड़यंत्र रचा गया है और नाकारे नेताओं,सत्ता व मीडिया द्वारा देश को नफरत की आग में झोकने का जो दुष्प्रयास किया जा रहा है,ऐसा लगता है कि इन निखट्टुओं के साम्प्रदायिक एजेंडों को अब तक तमाशाई बनकर देखते रहने व इन पर चुप रहने वाली जनता अब इनकी नफरत का जवाब प्रेम,सद्भाव व भाईचारे से देने लगी है। पिछले कुछ ही दिनों में देश के अलग अलग राज्यों से ऐसे कई समाचार आये जिनसे यह पता चलता है कि देश के अमन पसंद लोग अब मूक दर्शक बनकर साम्प्रदायिक वैमनस्य को बढ़ता हुआ देखने के बजाये प्यार और मुहब्बत की मशाल जलाकर नफरत के स्याह अँधेरे को भागने की कोशिश करने लगे हैं। पिछले दिनों राजस्थान के टोंक जिले से ऐसी ही एक खबर आई। यहाँ निवाई तहसील के करेड़ा बुजुर्ग गांव के एक मंदिर परिसर में गत 22 फरवरी को भारतीय जनता पार्टी के

एक पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया द्वारा कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसी कार्यक्रम के माध्यम से पूर्व सांसद जौनपुरिया लोगों को 28 फरवरी को अजमेर आने के लिए आमंत्रित कर रहे थे। क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 फरवरी को अजमेर दौरे पर रहेंगे तथा एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री के इसी दौरे को सफल बनाने के लिए राजस्थान सरकार, प्रशासन और भाजपा संगठन पूरी तरह जुटा हुआ है। इसी उद्देश्य से राज्य भर में तरह तरह के छोटे कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। टोंक जिले के निवाई तहसील के करेड़ा बुजुर्ग गांव में पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया द्वारा कंबल वितरण कार्यक्रम भी इसी कड़ी का हिस्सा था। परन्तु नफरती संगठन में राजनीति करने वाले पूर्व सांसद जौनपुरिया द्वारा इसी कार्यक्रम में नफरत की वह भाषा बोली गयी जिसने इस इलाके में पूर्व सांसद की ही फजीहत करवा दी। कंबल बांटते समय उन्होंने भीड़ में बैठी एक महिला से उसका नाम पूछा, जब गरीब बुजुर्ग महिला ने अपना नाम 'शकूरन बानो' बताया तो यह नाम सुनकर जौनपुरिया ने बड़े ही नफरती अंदाज से कहा - ₹हट एक तरफ, कंबल यहीं छोड़ दे₹ और बाद में उन्होंने अपने सहयोगी को कहा इसे ₹कंबल मत दे₹। साथ ही वे यह भी बोले, ₹जो मोदी को गाली देता है, उसे कंबल लेने का हक नहीं।₹ जौनपुरिया की इस अभद्र भाषा का वीडिओ वायरल होने के बाद इस इलाके में जौनपुरिया का विरोध होना शुरू हो गया। यह विरोध इस हद तक हुआ कि गांव के जिन हिन्दू परिवारों को कंबल मिला था उन्होंने भी मुस्लिम महिलाओं के साथ एकजुटता दिखाने हेतु अपने अपने कंबल वापस कर दिये। कांग्रेस कार्यकताओं ने तो इसी गांव में मुस्लिम महिलाओं को कंबल बांटे और गांव वालों ने उस नफरती पूर्व सांसद का पुतला भी फूंका। नफरत का जवाब मोहब्बत से देने हेतु अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा 24 फरवरी को टोंक में सभी धर्मों की महिलाओं को समान रूप से कंबल बांटे जाने की भी खबर आई।

नफरत के बदले प्यार और मुहब्बत बांटने का ऐसा ही एक अन्य उदाहरण गत दिवस लखनऊ विश्वविद्यालय में भी देखने को मिला। पवित्र रमजान माह के दौरान विश्वविद्यालय में स्थित प्राचीन व ऐतिहासिक लाल बारादरी परिसर में मौजूद पुरानी मस्जिद के गेट को विश्वविद्यालय प्रशासन ने सुरक्षा कारण बता कर सील कर दिया और इस जगह भारी बैरिकेडिंग लगा दी। इसी मुगल कालीन मस्जिद में दशकों से लखनऊ विश्वविद्यालय के मुस्लिम छात्र नमाज अदा करते आ रहे हैं। प्रशासन ने इसे पुरानी इमारत बताकर व सुरक्षा के जोखिम का हवाला देकर इसे अचानक बिना किसी पूर्व सूचना के बंद कर दिया। इसके बाद जब मुस्लिम छात्रों को नमाज अदा करने हेतु मस्जिद के अंदर जाने से रोका गया, तो उन्होंने मजबूरीवश मस्जिद के बाहर खुले स्थान पर ही नमाज अदा की। इस दौरान विश्वविद्यालय के हिंदू छात्रों द्वारा मानव श्रृंखला बनाई गयी। छात्रों ने एक दूसरे का हाथ पकड़कर गंगा-जमुनी तहजीब और सांप्रदायिक सद्भाव की मिसाल पेश की। हिंदू छात्र नमाज पढ़ रहे अपने मुस्लिम साथियों के चारों ओर सुरक्षा कवच बनकर इसलिये खड़े हो गए ताकि कोई नमाज में व्यवधान उत्पन्न न कर सके और नमाज शांति तरीके से पूरी हो सके। इतना ही नहीं बल्कि साम्प्रदायिक शक्तियों के विरुद्ध इन्हीं हिन्दू छात्रों ने प्रदर्शन किया तथा हिन्दू मुस्लिम एकता का संदेश भी दिया।

दरअसल साम्प्रदायिक शक्तियों को खदेड़ने की शुरूआत उत्तराखंड के कोटद्वार से गत 26 जनवरी को उस समय शुरू हुई जबकि बजरंग दल के सदस्यों ने वकील अहमद नाम के एक 70 वर्षीय बुजुर्ग मुस्लिम की 'बाबा स्कूल ड्रेस' नाम की दुकान के नाम को लेकर विवाद खड़ा किया। बजरंग दल के लोग दुकान का नाम बदलने की धमकी दे रहे थे। उनका कहना था कि 'बाबा स्कूल ड्रेस' का नाम स्थानीय हनुमान मंदिर सिद्धबली बाबा से मिलता-जुलता था। इसी विवाद के बीच दीपक कुमार कश्यप अपने दोस्त विजय रावत के साथ वहां जा पहुंचे। दीपक उत्तराखंड कोटद्वार में ही एक जिम ट्रेनर हैं। वे यहाँ अपना जिम चलाते हैं तथा युवक युवतियों को बॉडी बिल्डिंग और फिटनेस की ट्रेनिंग देते हैं। दीपक ने ही उन्मादी भीड़ से बुजुर्ग मुस्लिम का बीच-बचाव करते हुए अपना नाम 'मोहम्मद दीपक' बताया और साम्प्रदायिक एकता व सद्भाव का संदेश दिया। हालांकि इसके बाद दीपक को मुकदमे से लेकर अपनी जिम की सदस्यता घटने तक के हालात का सामना करना पड़ा। उन्हें बजरंग दल समर्थकों से धमकियां मिलीं व उनके विरुद्ध विरोध प्रदर्शन भी हुये । परन्तु उनका यही कहना था कि ₹मैं हिंदू नहीं, मुसलमान नहीं, सिख नहीं, ईसाई नहीं—सबसे पहले इंसान हूं। मरने के बाद भगवान और इंसानियत को जवाब दूंगा।₹ यहाँ तक कि पुलिस ने दीपक के विरुद्ध सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के आरोप में प्राथमिकी भी दर्ज की। परन्तु दीपक की हिम्मत व उनके बुलंद हौसले ने उन्हें पूरे देश व दुनिया में साम्प्रदायिक सद्भाव के सच्चे प्रतिनिधि के रूप में शोहरत दिला दी। राहुल गाँधी सहित अनेक विशिष्ट लोगों ने मुहम्मद दीपक व उनके साथी विजय रावत से मुलाकात कर उनकी हौसला अफजाई की। और इसी कोटद्वार की घटना के बाद देश में कई स्थानों से ऐसी खबरें सुनाई दे रही हैं जहाँ प्रेम व सद्भाव की बातें करने वालों के द्वारा नफरती चिंटुओं को खदेड़ा जा रहा है और शांतिप्रिय जनता द्वारा नफरत के सौदागरों के नफरती एजेंडे का जवाब प्रेम,सद्भाव व भाईचारे से दिया जा रहा है।- **निर्मल रानी**

महाराष्ट्र राजनीति में 'पवार' शक्ति का नया अध्याय, सुनेत्रा पवार संभालेंगी एनसीपी की कमान, पार्थ पवार जाएंगे राज्यसभा

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में एक युगांतरकारी बदलाव होने जा रहा है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने दिवंगत नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के निधन के बाद खाली हुए नेतृत्व के शून्य को भरने के लिए बड़ा फैसला लिया है। मंगलवार को हुई पार्टी की अहम बैठक में सुनेत्रा पवार को बारामती विधानसभा उपचुनाव के लिए उम्मीदवार घोषित किया गया है, साथ ही उन्हें पार्टी का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने की तैयारी भी पूरी हो चुकी है। सूत्रों ने बताया कि यह फैसला मंगलवार को हुई पार्टी की एक अहम मीटिंग में लिया गया।

बारामती विधानसभा सीट उनके पति और महाराष्ट्र के पूर्व डिप्टी चीफ मिनिस्टर अजित पवार की 28 जनवरी को एक प्लेन क्रैश में अचानक मौत के बाद खाली हो गई थी। 2024 के विधानसभा चुनावों में, अजित पवार ने अपने भतीजे और NCP (SP) कैंडिडेट युगेंद्र पवार पर 1,00,899 वोटों से बारामती सीट जीती थी। उन्हें 1,81,132 वोट मिले जबकि युगेंद्र को 80,233 वोट मिले।

उसी मीटिंग में, पार्टी लीडरशिप ने पार्थ पवार के राज्यसभा के लिए नॉमिनेशन को भी फाइनल कर दिया। वह अपर हाउस में अपनी मां सुनेत्रा पवार की जगह लेंगे। सुनेत्रा अपने पति की मौत के बाद महाराष्ट्र में महायुति सरकार में डिप्टी चीफ मिनिस्टर बनी हैं। महाराष्ट्र में राज्यसभा की सात खाली सीटों के लिए 16 मार्च को चुनाव होने हैं।

इस बीच, NCP गुरुवार (26 फरवरी) को अपना नया नेशनल प्रेसिडेंट चुनने वाली है। चुनाव आज शाम मुंबई के वर्ली डोम में होना है, जहां पार्टी के MLA, MP और सीनियर पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। पार्टी सूत्रों ने कन्फर्म किया है कि सुनेत्रा पवार के नाम को नेशनल प्रेसिडेंट के तौर पर ऑफिशियली मंजूरी दी जाएगी। उनका प्रमोशन पार्टी के अंदर हाल के डेवलपमेंट के बाद हुआ है, जब एक प्लेन क्रैश में अजित पवार की मौत हो गई थी, जिसके बाद लीडरशिप ने टॉप ऑर्गनाइजेशनल पोस्ट के लिए उनके नाम पर एकमत से सहमति जताई थी। सुनेत्रा पवार अभी सरकार में डिप्टी चीफ मिनिस्टर और लेजिस्लेटिव पार्टी की लीडर भी हैं।

समरस फाउंडेशन ने किया प्रभारी मुख्याध्यापक राजेश तिवारी का सेवानिवृत्ति सम्मान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महानगर की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था समरस फाउंडेशन द्वारा आज मुंबई महानगरपालिका शिक्षण विभाग द्वारा संचालित भरुचा रोड मनपा हिंदी शाला क्र.2 , दहिसर पूर्व में कार्यरत प्रभारी मुख्याध्यापक राजेश तिवारी का सम्मान किया गया। वे अगले महीने से सेवानिवृत्त हो रहे हैं। संस्था के चेयरमैन डॉ किशोर सिंह ने संस्था की तरफ से उनका सम्मान किया। उन्होंने कहा कि राजेश तिवारी बीएमसी बच्चों की उत्कृष्ट शिक्षा के प्रति समर्पित रहे। उन्होंने संस्था की तरफ से सेवानिवृत्ति की ढेर सारी शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर संस्था के उपाध्यक्ष मुकुंद शर्मा, उपाध्यक्ष सतीश मिश्रा, मार्गदर्शक रामकृपाल शर्मा, भोला वर्मा के अलावा शांतिलाल जैन तथा डॉ सुरेश उपाध्याय उपस्थित रहे। राजेश तिवारी ने दिए गए सम्मान के लिए संस्था के प्रति आभार व्यक्त किया।

विधायक दिलीप लांडे की विधानसभा तालिका चेयरमैन पद पर हुई नियुक्ति

मुंबई (उत्तरशक्ति)। विधानसभा और विधानपरिषद सभागृह के कामकाज को ठीक से चलाने के लिए मंगलवार को तालिका अध्यक्ष और सभापति की नियुक्ति की घोषणा की गई। यह घोषणा विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर और विधान परिषद के चेयरमैन राम शिंदे ने की।

बता दें कि विधानसभा के कामकाज को सुचारु रूप से चलाने के लिए चांदीवली के विधायक दिलीप लांडे, योगेश सागर, संजय केलकर, समाधान अवताड़े, सुनील प्रभु, चंद्रकांत नवघरे, राजू खरे, अमित झनक की नियुक्ति विधानसभा तालिका अध्यक्ष पद पर की गई है। जबकि, चित्रा वाघ, कृपाल तुमाने, विक्रम काले, राजेश राठौड़, सुनील शिंदे को तालिका सभापति के पद पर नियुक्त किया गया है। विधायक दिलीप लांडे को विधानसभा के तालिका अध्यक्ष पद पर नियुक्त किए जाने पर बधाइयों का तांता लगा हुआ है।

एमएमआर क्षेत्र में कैंसर अस्पताल स्थापित करने की विधायक रईस शेख की विधानसभा में मांग

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। मुंबई और एमएमआर क्षेत्र के कैंसर मरीजों के लिए टाटा कैंसर अस्पताल फिलहाल एकमात्र प्रमुख इलाज केंद्र है। लेकिन ठाणे और पालघर जिलों के मरीजों को यहां इलाज के लिए कई घंटों का सफर तय करना पड़ता है, जिससे उन्हें शारीरिक के साथ-साथ मानसिक परेशानी भी झेलनी पड़ती है। इसी पृष्ठभूमि में भिवंडी पूर्व विधानसभा के विधायक रईस शेख ने मुंबई में चल रहे बजट सत्र के दौरान विधानसभा में एमएमआर क्षेत्र में टाटा कैंसर अस्पताल का विस्तारित केंद्र शुरू करने की मांग की। विधायक रईस शेख ने यह भी कहा कि यदि यह संभव न हो, तो 850 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित जिला अस्पताल में कैंसर मरीजों के इलाज के लिए विशेष कक्ष (यूनिट) स्थापित किए जाएं। साथ ही भिवंडी स्थित स्व. इंदिरा गांधी स्मृति उपजिला अस्पताल (आईजीएम) में डायलिसिस सेवा को पूर्ण क्षमता से शुरू करने, इसके लिए आवश्यक मशीनें और मानव संसाधन उपलब्ध कराने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में समय पर इलाज न मिलने के कारण मरीजों को मजबूरी में निजी अस्पतालों में महंगा इलाज कराना पड़ता है। आम नागरिकों को सुलभ और किफायती स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है, इस ओर भी उन्होंने सरकार का ध्यान आकर्षित किया। इस मुद्दे पर जवाब देते हुए राज्य के स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबिटकर ने कहा कि इस संबंध में शासन स्तर पर बैठक लेकर उचित निर्णय लिया जाएगा। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि आईजीएम अस्पताल में डायलिसिस सेंटर को पीपीपी (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल पर चलाने का प्रस्ताव आता है, तो उस पर सरकार सकारात्मक रूप से विचार करेगी।

ग्रीनपैनल के एमडी एवं सीईओ शोभन मित्तल सीईओ ऑफ द ईयर से सम्मानित

मुंबई। ग्रीनपैनल इंडस्ट्रीज लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ श्री शोभन मित्तल को बिजनेस लीडर ऑफ द ईयर अवॉर्ड्स 2026 में प्रतिष्ठित सीईओ ऑफ द ईयर सम्मान से नवाजा गया है। यह सम्मान उन्हें उनकी दूरदर्शी सोच, स्पष्ट रणनीति और व्यवसाय पर पड़े प्रभावशाली नेतृत्व के लिए प्रदान किया गया है। यह सम्मान भारतीय वुड पैनल उद्योग में ग्रीनपैनल को अग्रणी बनाने में श्री मित्तल की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है। उनके नेतृत्व में कंपनी ने खुद को भारत की सबसे बड़ी वुड पैनल निमार्ता और भारत की नंबर १ एमडीएफ कंपनी के रूप में स्थापित किया है। इसके साथ ही, कंपनी ने अपने संचालन का विस्तार, उत्पादन क्षमता में वृद्धि और उत्पाद नवाचार को लगातार आगे बढ़ाया है। वर्षों से श्री मित्तल ने ग्रीनपैनल को एक समग्र वुड पैनल सॉल्यूशंस प्रदाता के रूप में विकसित करने में अहम भूमिका निभाई है। कंपनी ने एमडीएफ, एचडीएफ प्री-लैमिनेटेड एमडीएफ, प्लाइवुड और वुडन फ्लोरिंग जैसे उत्पादों में एक मजबूत पोर्टफोलियो तैयार किया है। इसके साथ ही, परिचालन उत्कृष्टता, तकनीकी प्रगति और ग्राहक विश्वास पर निरंतर ध्यान देकर कंपनी की घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उपस्थिति को सशक्त बनाया है। इस अवसर पर ग्रीनपैनल इंडस्ट्रीज लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ श्री शोभन मित्तल ने कहा, यह सम्मान पाकर मैं अत्यंत गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। यह ग्रीनपैनल की पूरी टीम के सामूहिक समर्पण और कड़ी मेहनत का प्रतीक है। हमारी यात्रा हमेशा एक स्पष्ट दृष्टि, गुणवत्ता पर मजबूत फोकस और दीर्घकालिक विकास रणनीति से प्रेरित रही है। मैं अपने कर्मचारियों, चैनल पार्टनर्स और ग्राहकों का हृदय से धन्यवाद करता हूँ।

महाभंडारा के साथ संपन्न हुआ श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ

मुंबई (उत्तरशक्ति)। प्रख्यात कथावाचक शास्त्रीय योगेश रूवाली महाराज द्वारा लगातार 5 दिनों तक जुहू पिंपलेश्वर महादेव मंदिर, इंदिरा नगर में लगातार 5 दिनों तक श्रीमद् भागवत कथा कही गई , जिसमें हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए। मार्गदर्शक अनिल पाटिल द्वारा समापन के दिन महाभंडारा का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने महा प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर प्रसाद वितरण करने वालों में कमेटी के सदस्य गणेश तेवर, सौरभ दवे, आशीष पटेल, मुकेश राठौर, अशोक जाधव, नित्या जाधव, संदीप चौधरी, प्रदीप चौधरी, प्रेम गुप्ता, सचिन दवे, बबलू वाल्मीकि, राज सिंह, प्रवीण थापा समेत कमेटी के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नवी मुंबई के घनसोली म्हापे आदिवासी, पारधी बस्ती में नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग

मुंबई। नवी मुंबई के म्हापे एमआईडीसी, अदावली-भूतावली, घनसोली क्षेत्र में स्थित आदिवासी पारधी बस्ती में पिछले काफी समय से कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा नशीले पदार्थों की खुलेआम बिक्री की जा रही है। जिसके कारण यहां नशेड़ियों की संख्या बढ़ती जा रही है। नशेड़ियों के बढ़ते आतंक से स्थानीय निवासियों में भय व्याप्त है। जिसके कारण आदिवासी पारधी महासंघ मुंबई और नवी मुंबई के अध्यक्ष सन्तोष एकनाथ पवार ने नवी मुंबई पुलिस आयुक्त और वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक तुर्भे पुलिस थाने को एक पत्र देकर खुलेआम बेची जा रही नशीली दवाओं और नशेड़ियों पर कार्यवाही की मांग की है। नवी मुंबई के पुलिस आयुक्त को स्थानीय नागरिकों के हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन में अध्यक्ष सन्तोष एकनाथ पवार ने बताया कि म्हापे एम आई डी सी अदावली, भूतावली, घनसोली क्षेत्र की आदिवासी पारधी बस्ती में समुदाय के लगभग 700 लोग रहते हैं। लंबे समय से अपराध के कारण इस समाज पर एक दाग सा लग गया था। वर्तमान समय में इस समाज के लोग शिक्षा, रोजगार और आत्मनिर्भरता के माध्यम से समुदाय को मुख्यधारा में लाने के लिए पूरी ईमानदारी , लगन से प्रयास कर रहे हैं। बताया जाता है कि इस बस्ती में अनेक बच्चे स्कूल और कॉलेज में पढ़ रहे हैं। कुछ युवा विभिन्न कंपनियों में काम कर रहे हैं, जबकि अन्य वेल्डिंग, फैब्रिकेशन, फूल व्यवसाय, रिक्शा व्यवसाय और अन्य छोटे उद्योगों में लगे हुए हैं। महिलाएं सिलाई प्रशिक्षण के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने का प्रयास कर रही हैं। ऐसे में यह समाज अपने पर लगे कलंक के दाग को मिटाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

किंतु वहीं यह देखने में आया है कि बस्ती में कुछ लोग अवैध रूप से नशीली दवाओं कोकीन, ड्रग्स, गांजा,कोरेक्स (बोतल) और अन्य पदार्थों की बिक्री कर रहे हैं। इसके चलते इलाके में नशेड़ियों की संख्या बढ़ गई है। जिससे स्थानीय लोगों में बाहर से आने वाले आपराधिक प्रवृत्ति वाले मरीजों से भय व्याप्त है। इसके अलावा दिनोदिन यहां नशेड़ियों की संख्या बढ़ती जा रही है। नशीले पदार्थों की बिक्री और नशेड़ियों के उत्पात मचाए जाने के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोगों को जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं। इस वजह से पूरे इलाके के नागरिक डर और आतंक के साये में जी रहे हैं। जिसके कारण नशीली दवाओं की बिक्री और नशेड़ियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई किए जाने कि मांग आदिवासी पारधी महासंघ मुंबई और नवी मुंबई के अध्यक्ष सन्तोष एकनाथ पवार ने की है। इस दौरान स्थानीय नागरिकों द्वारा नवी मुंबई पुलिस आयुक्तऔर तुर्भे पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक को एक हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन भी दिया गया है।

यादव समाज की भावनाओं को ठेस लगाने का आरोप, यादव जी की लव स्टोरी पर प्रतिबंध की यादव संघ मुंबई ने की मांग

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। यादव समाज की भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाते हुए यादव संघ मुंबई की ओर से भिवंडी प्रांत कार्यालय में एक ज्ञापन सौंपा गया। बतादें कि ज्ञापन में यादव जी की लव स्टोरी फिल्म के प्रदर्शन पर तत्काल प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है। ज्ञापन में कहा गया है कि उक्त फिल्म में यादव समाज की छवि को आपत्तिजनक एवं गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया है, जिससे समाज में तीव्र रोष व्याप्त है। संगठन का कहना है कि फिल्म के प्रदर्शन से सामाजिक तनाव बढ़ने और कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने की आशंका है। यादव संघ मुंबई ने प्रशासन को अवगत कराया कि यादव समाज शांतिप्रिय है और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने में विश्वास रखता है, लेकिन यदि समाज की भावनाओं की अनदेखी कर फिल्म का प्रदर्शन जारी रखा गया तो जनआक्रोश और असंतोष बढ़ सकता है।

इस अवसर पर यादव संघ मुंबई के अध्यक्ष अजय यादव, आचार्य सूरजपाल यादव, पी. डी. यादव, मंगेश यादव, डॉ. बृजेश यादव, डॉ. मुन्नालाल यादव, लल्लन यादव, राजेंद्र यादव, कन्हैया यादव, सुभाष यादव, चंद्रिका यादव, विजय प्रताप यादव, हरेंद्र यादव तथा एडवोकेट सुशील यादव उपस्थित रहे। संगठन ने प्रशासन से सामाजिक शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए शीघ्र निर्णय लेने की मांग की है।

बोईसर में 7 से 14 मार्च तक भव्य श्रीमद् भागवत कथा का होगा आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के बोईसर शहर (प.) अंतर्गत चित्रालय के पास स्थित विजय कालोनी में अनुश्री फाउंडेशन के तत्वावधान में आगामी 7 मार्च 2026 से 14 मार्च 2026 तक भव्य श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस धार्मिक आयोजन का शुभारंभ 7 मार्च को प्रातः 8:00 बजे कलश यात्रा के साथ किया जायेगा।

कलश यात्रा सुबह 7 बजे विजय कॉलोनी से प्रारंभ होकर टैप्स गेट, पुलिस चौकी, अंगद पाल कंपनी, करवीर हॉस्पिटल व केपी नगर होते हुए पुनः विजय कॉलोनी पहुंचेगी, जहां विधिवत कलश पूजन संपन्न किया जायेगा। जिसके उपरांत कथा वाचक श्री योगी सत्यमदास जी महाराज के मुखारविंद से 7 मार्च से 13 मार्च तक प्रतिदिन शाम 4:00 बजे से 8:00 बजे तक श्रोताओं को अमृतमयी श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का अमृतपान कराया जायेगा। वहीं श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं का रसपान करेंगे। 14 मार्च को प्रातः 8:00 बजे से 12:00 बजे तक हवन यज्ञ आयोजित होगा तथा दोपहर 2:00 बजे से महाप्रसाद वितरण किया जायेगा। आयोजकों ने सभी भक्तजनों एवं धर्मप्रेमी नागरिकों से इस धार्मिक आयोजन में हिस्सा लेने की अपील की है।

एसएवीडब्ल्यू आईपीएल में शामिल हुए नितिन सेलोट

मुंबई (उत्तरशक्ति)। स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एसएवीडब्ल्यू आईपीएल) ने 19 फरवरी 2026 से नितिन सेलोट को अपना नया एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर - फाइनेंस, आईटी और लीगल अफेयर्स नियुक्त करने की घोषणा की है। इस भूमिका में वे भारत में ग्रुप की फाइनेंशियल स्ट्रेटेजी और आईटी ट्रांसफॉर्मेशन का नेतृत्व करेंगे, और इसके अगले फेज की ग्रोथ को आगे बढ़ाएंगे। एसएवीडब्ल्यूआईपीएल छह जाने-माने ब्रांड्स - स्कोडा, फॉक्सवैगन, ऑडी, बेंटले, लेम्बोर्गिनी और पोर्श झ के इंडिया ऑपरेशन्स को मैनेज करता है और पुणे और छत्रपति संभाजीनगर में दो स्टेट-ऑफ-द-आर्ट मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटीज संचालित करता है। स्कोडा ऑटो ए.एस. के फाइनेंस, आईटी और लीगल अफेयर्स के बोर्ड मेंबर, होल्गर पीटर्स ने कहा, हम नितिन सेलोट का स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया में ऐसे अहम समय पर स्वागत करते हैं, जब भारत यूरोप के बाहर स्कोडा ऑटो ए.एस. के लिए सबसे जरूरी मार्केट बन चुका है। उनका अपॉइंटमेंट ऐसे अहम समय पर हुआ है, जब हम भारत में अपने ऑपरेशन्स में अपने फाइनेंशियल डिसिप्लिन को मजबूत कर रहे हैं, गवर्नेंस को बेहतर बना रहे हैं और रेजिलिएंस बना रहे हैं। कई इंडस्ट्रीज में नितिन का बहुत ज्यादा

एक्सपीरियंस और मुश्किल फाइनेंशियल और आईटी ट्रांसफॉर्मेशन्स को लीड करने की उनकी क्षमता बहुत कीमती होगी, क्योंकि हम अपनी लॉन्ग-टर्म स्ट्रैटेजी को इंडियन मार्केट की बदलती जरूरतों के साथ अलाइन कर रहे हैं। मुझे भरोसा है कि उनकी लीडरशिप हमारी फाइनेंशियल नींव को मजबूत करेगी, इनोवेशन को सपोर्ट करेगी और इंडिया में हमारे सभी ब्रांड्स के लिए सस्टेनेबल ग्रोथ को आगे बढ़ाएगी।

स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ पीयूष अरोरा ने कहा, मुझे नितिन सेलोट का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है क्योंकि स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया हमारे छह एस्पिरेशन ब्रांड्स की मिली-जुली रफ़्तार से बदलाव के एक रोमांचक नए चैप्टर में जा रहा है। हम अपने प्रोसेस को फिर से डिफाइन करना, प्रोडक्टिविटी में सुधार करना और अपने लोकल-फॉर-लोकल अप्रोच को आगे बढ़ाना जारी रखेंगे, जिससे हमारे इंडिया ऑपरेशन्स की नींव मजबूत होगी। आगे देखते हुए, हमारी फाइनेंशियल स्ट्रेटेजी की मजबूती और हमारे आईटी सिस्टम्स की तेजी इस प्रोग्रेस को बनाए रखने के लिए जरूरी होगी। इंडस्ट्रीज और जगहों पर अपने बहुत ज्यादा अनुभव के साथ, नितिन सेलोट हमारे इन्वेस्टमेंट अप्रोच को और बेहतर बनाने, एफिशिएंसी बढ़ाने और यह पक्का करने के लिए अच्छी स्थिति में हैं कि एसएवीडब्ल्यूआईपीएल भविष्य के लिए तैयार है। अलग-अलग इंडस्ट्रीज में 35 साल के लीडरशिप अनुभव के साथ, नितिन सेलोट स्ट्रैटेजिक फाइनेंशियल प्लानिंग, रेगुलेटरी गवर्नेंस और एंड-टू-एंड फाइनेंशियल मैनेजमेंट में गहरी एक्सपर्टीज लाते हैं। एसएवीडबल्यूआईपीएल जॉइन करने से पहले, उन्होंने जेसीबी इंडिया, कंपास ग्रुप इंडिया, शेल और मार्स रिगले में सीनियर लीडरशिप पोजीशन पर काम किया था। उनके पास फाइनेंस और अकाउंटिंग की डिग्री हैं - जिसमें इंस्टिट्यूट ऑफ कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया से ए.सी.एम.ए., इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, गाजियाबाद से फाइनेंस में एमबीए और इंस्टिट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया से एसीएस शामिल हैं।

वर्ष 2024-25 में पेसा संकेतक रैंकिंग में महाराष्ट्र राज्य देश में सबसे अव्वल

मुंबई (उत्तरशक्ति)। 77वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर नई दिल्ली में आयोजित पंचायत प्रतिनिधियों के सम्मान समारोह में केंद्रीय पंचायती राज राज्य मंत्री प्रो. एस. पी. सिंह बघेल ने वर्ष 2024-25 के लिए पेसा संकेतक रैंकिंग की घोषणा की। इस अवसर पर पंचायती राज मंत्रालय के सचिव विवेक भारद्वाज तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। पांचवीं अनुसूची के अंतर्गत आने वाले और पेसा कानून लागू 10 राज्यों में महाराष्ट्र राज्य ने प्रभावी कार्यान्वयन करते हुए देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। मध्य प्रदेश द्वितीय तथा हिमाचल प्रदेश तृतीय स्थान पर रहे हैं। केंद्रीय राज्य मंत्री ने महाराष्ट्र सहित अग्रणी राज्यों को बधाई देते हुए अन्य राज्यों से भी पेसा कानून के मूल उद्देश्य के अनुरूप ग्रामसभा और पंचायत सशक्तिकरण के लिए प्रयास बढ़ाने का आह्वान किया। इस रैंकिंग का उद्देश्य ग्रामसभा-केंद्रित स्वशासन को अधिक मजबूत करना, प्रमाण-आधारित नीति हस्तक्षेप को बढ़ावा देना तथा लक्षित सहायता की आवश्यकता वाले क्षेत्रों की पहचान करना है। पेसा संकेतक रैंकिंग की घोषणा को पेसा कानून के परिणामोन्मुख और मापनीय कार्यान्वयन के लिए केंद्र और राज्यों की सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक माना जाता है। पेसा संकेतक रैंकिंग (2024-25) के तहत अग्रणी राज्यों में महाराष्ट्र (प्रथम), मध्य प्रदेश (द्वितीय), हिमाचल प्रदेश (तृतीय) स्थान हासिल किया। वहीं अच्छा प्रदर्शन करने वाले राज्यों में 4) राजस्थान, 5) छत्तीसगढ़, 6) तेलंगाना के नाम शामिल हैं। जब कि आकांक्षी राज्यों में 7) आंध्र प्रदेश, 8) गुजरात के नाम शामिल हैं। वहीं प्रारंभिक राज्यों में 9) ओडिशा, 10) झारखंड राज्य का नाम शामिल हैं। महाराष्ट्र राज्य ने पेसा संकेतक रैंकिंग में देश में पहला स्थान प्राप्त कर अनुसूचित क्षेत्रों में ग्रामसभा सशक्तिकरण और पंचायत स्वशासन को मजबूत करने के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना प्राप्त की है।

मोहनपुर, समस्तीपुर में ई-मेडिक्स स्मार्ट फामेर्सी का शुभारंभ

मुंबई/समस्तीपुर। समस्तीपुर के मोहनपुर क्षेत्र में ई-मेडिक्स स्मार्ट फामेर्सी की नई शाखा का उद्घाटन गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि श्री रोशन कुशवाहा, आईएएस (जिला पदाधिकारी एवं कलेक्टर, समस्तीपुर) ने फीता काटकर स्टोर का उद्घाटन किया।

फ्रेंचाइजी ओनर हर्ष राज ने बताया कि यह स्टोर मोहनपुर और आसपास के क्षेत्रों के लोगों के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त दवा सेवा उपलब्ध कराएगा, जहाँ उचित मूल्य, ब्रांडेड दवाइयाँ और व्यवस्थित सेवा एक ही स्थान पर मिलेगी।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती अंजू शर्मा, श्रीमती सविता कुमारी, किसलय राज, आदित्य राज, अभिनंदन राज एवं शिप्रा राज उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने इस पहल को क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति

* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा

*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालयः

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)

मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

मो.- 9554493941

email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।

पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

पीयू पर्यावरण विज्ञान विभाग के तीन विद्यार्थी यूजीसी-नेट में सफल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग के तीन मेधावी छात्रों—साक्षी मौर्य, आकाश यादव एवं सांची सुदस—ने दिसंबर 2025 में आयोजित यूजीसी-नेट परीक्षा उत्तीर्ण कर विभाग एवं विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि से विश्वविद्यालय परिसर में हर्ष का वातावरण है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता न केवल विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत का परिणाम है, बल्कि विभाग की गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक परंपरा का भी प्रमाण है। उन्होंने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनके उत्तरोत्तर प्रगति की अपेक्षा व्यक्त की। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह, डीन प्रो. राजेश शर्मा, पर्यावरण विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. विवेक कुमार पाण्डेय, डॉ. मनीष कुमार गुप्ता, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद यादव सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों एवं संकायाध्यक्षों ने भी इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों एवं विभाग को बधाई दी।

पीयू में बौद्धिक संपदा अधिकार के दिग्गज जुटेंगे आज

पीयू में डिजिटल परिदृश्य में बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला 26 को

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) प्रकोष्ठ द्वारा 26 फरवरी 2026 को पूर्वाह्न 11:00 बजे से आर्यभट्ट सभागार में डिजिटल परिदृश्य में बौद्धिक संपदा अधिकार : उभरती प्रवृत्तियाँ और चुनौतियाँ विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य डिजिटल युग में बौद्धिक संपदा अधिकारों की बदलती प्रवृत्तियों, समकालीन चुनौतियों तथा संभावनाओं पर विस्तृत विचार-विमर्श करना है। कार्यशाला के संयोजक एवं नोडल अधिकारी, बौद्धिक संपदा अधिकार प्रकोष्ठ के प्रो. रवि प्रकाश हैं। इस अवसर पर देश के प्रतिष्ठित विधि एवं पेटेंट विशेषज्ञ अपने विचार व्यक्त करेंगे। कार्यशाला में मुख्य वक्ताओं के रूप में उच्चतम न्यायालय के अधिवक्ता अशोक सहगल (नई दिल्ली), भारतीय पेटेंट कार्यालय, नई दिल्ली के सहायक नियंत्रक (पेटेंट एवं डिजाइन) आलोक मिश्रा, के.एन.आई.टी., सुल्तानपुर के एसोसिएट प्रोफेसर प्रो. प्रदीप कुमार, टी.डी. लॉ कॉलेज, जौनपुर के डॉ. यशवंत सिंह तथा इलाहाबाद विश्वविद्यालय के विधि संकाय के डॉ. अभिषेक कुमार शामिल होंगे। ये सभी विशेषज्ञ डिजिटल मंचों पर कॉपीराइट, पेटेंट, ट्रेडमार्क, डेटा संरक्षण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्टार्टअप एवं नवाचार संरक्षण जैसे विषयों पर अपने विचार साझा करेंगे। कार्यशाला के माध्यम से शोधार्थियों, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यावहारिक पहलुओं, पेटेंट आवेदन की प्रक्रिया, नवाचारों के संरक्षण तथा डिजिटल युग में उत्पन्न कानूनी चुनौतियों की जानकारी प्रदान की जाएगी। बैठक में प्रोफेसर रवि प्रकाश प्रोफेसर प्रदीप कुमार डॉक्टर ऋषिकेश डॉक्टर सुनील कुमार डॉक्टर मंगल प्रसाद यादव डॉ. नृपेंद्र सिंह. डॉक्टर सुधीर सिंह शैलेश प्रजापति डॉक्टर प्रवीण कुमार सिंह पूनम सोनकर ज्योति सिंह आदि लोग उपस्थित थे।

पीयू में एक मार्च को होगा विकसित भारत युवा संसद-2026 का आयोजन

आपातकाल के 50 वर्ष- भारतीय लोकतंत्र के लिए सीख है युवा संसद का विषय

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार, रज्जू भईया संस्थान में 01 मार्च, 2026 को विकसित भारत युवा संसद-2026 के अंतर्गत जनपद स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम कुलपति प्रो. वंदना सिंह के संरक्षकत्व में संपन्न होगा। इस वर्ष युवा संसद का विषय आपातकाल के 50 वर्ष: भारतीय लोकतंत्र के लिए सीख निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम का आयोजन युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार किया जा रहा है। इसका उद्देश्य युवाओं को अपने विचार, नवाचार और नेतृत्व क्षमता को अभिव्यक्त करने के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करना है, जिससे वे लोकतांत्रिक मूल्यों को समझते हुए राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका सुनिश्चित कर सकें। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं जूरी सदस्य के रूप में बृजेश सिंह प्रिंशु, सदस्य विधान परिषद, जौनपुर उपस्थित रहेंगे। अन्य ज्यूरी सदस्यों में नितीश पाण्डेय, डॉ. पंकज कुमार, जिला सूचना अधिकारी, भदोही, डॉ. राज बहादुर यादव, पूर्व कार्यक्रम समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना तथा डॉ. श्याम कन्हैया शामिल होंगे। कार्यक्रम के संयोजक कुलसचिव के लाल, नोडल अधिकारी डॉ. शशिकांत यादव एवं गोपाल सिंह (सचिव, युवा अधिकारी, माय भारत, जौनपुर) है। उल्लेखनीय है कि गतवर्ष विकसित भारत युवा संसद-2025 का आयोजन 24 मार्च 2025 को किया गया था, जिसमें जौनपुर एवं गाजीपुर जनपद से 10 छात्र-छात्राओं का चयन हुआ था। चयनित प्रतिभागियों को उत्तर प्रदेश विधानसभा भवन में अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर मिला था, जहाँ कार्यक्रम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं सतीश महाना जी की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित हुआ था।

डीएम के आदेशों की अवहेलना करते मछलीशहर तहसील के अधिकारी

मछलीशहर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील मछलीशहर अंतर्गत सरायवीका गांव में विगत कई वर्षों से राजस्व संबंधी प्रकरण को लेकर विवाद बना हुआ है। आरोप है कि संबंधित हल्का लेखपाल एवं पवारा सर्किल के कानूनगो द्वारा गलत आख्या प्रस्तुत कर मामले को जानबूझकर उलझाया जा रहा है। वही पीड़ित पक्ष के सचिन चौरसिया ने आरोप लगाया कि संबंधित कानूनगो द्वारा धन लेकर गलत रिपोर्ट लगाई गई तथा फर्जी मुकदमा पंजीकृत कराया गया। उन्होंने कहा कि इस संबंध में वे पिछले एक वर्ष से लगातार थाना दिवस, तहसील दिवस, जिलाधिकारी तथा मुख्यमंत्री तक प्रार्थना पत्र दे चुके हैं, किंतु आज तक संबंधित लेखपाल व कानूनगो के विरुद्ध कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई और न ही उनका स्थानांतरण किया गया।सचिन चौरसिया का यह भी कहना है कि जिलाधिकारी एवं उपजिलाधिकारी को गलत जानकारी देकर मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। इस संबंध में जिलाधिकारी द्वारा यह आश्वासन दिया गया कि प्रकरण उनके संज्ञान में है और इसकी जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी। दिनांक 07 फरवरी 2026 को मछलीशहर में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर, जौनपुर पत्रकार संघ मछलीशहर इकाई के अध्यक्ष अनिल कुमार पाण्डेय, महामंत्री आनंद सिंह, उपाध्यक्ष सतीश दुबे सहित अन्य पत्रकारों की उपस्थिति में जिला अधिकारी ने संबंधित कानूनगो को फटकार लगाई तथा अवैध अतिक्रमण हटाने एवं प्रकरण के निष्पक्ष निस्तारण हेतु नई टीम गठित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी मछलीशहर सौरभ कुमार, तहसीलदार, क्षेत्राधिकारी प्रतिमा वर्मा, उपनिदेशक कृषि, जिला विकास अधिकारी (डीडीओ) तथा मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. ओ.पी. श्रीवास्तव सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। अब देखना यह है कि गठित नई टीम द्वारा प्रकरण का निष्पक्ष समाधान कब तक किया जाता है और प्रशासन अपने आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित कर पाता है या नहीं।

ज़िंदगी तो सस्ती है, बस उसे गुजारने के तरीके महंगे हो गए हैं

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ज़िंदगी तो सस्ती है, बस उसे गुजारने के तरीके महंगे हो गए है। यह पंक्ति अपने आप में आज के समय का सबसे सटीक आईना है। ज़िंदगी कभी महंगी नहीं थी-न कल थी, न आज है। महंगे तो हमने अपने शौक, अपनी अपेक्षाएँ, और दूसरों से तुलना करने की आदत बना ली है।असल में ज़िंदगी को चलाने के लिए, ना महंगे कपड़े चाहिए, ना बड़ी गाड़ियाँ, ना चमकदार घर ज़िंदगी चलती है साँस, स्वास्थ्य, संबंध और संतोष से-और ये चारों चीजें आज भी मुफ्त मिलती हैं।पर हमने क्या किया। हमने सादगी को कमजोरी, संतोष को असफलता, और ठहराव को पीछे रह जाना मान लिया। आज हर कोई, दिखाने में व्यस्त है, जीने में नहीं,फोन बदलना जरूरी हो गया, पर सोच बदलना नहीं लोगों को प्रभावित करना जरूरी हो गया। पर अपने मन को समझाना नहीं,महंगे तरीके कहाँ से आए। तुलना से, पड़ोसी क्या चला रहा है, रिश्तेदार कहाँ घूम आया है। दोस्त कितना कमा रहा है।यहीं से ज़िंदगी महंगी होती है। दिखावे से, जो है उससे खुश रहने की बजाय, जो नहीं है उसे दिखाने की होड़, इच्छाओं की असीमित भूख से जरूरतें सीमित होती हैं, पर इच्छाएँ कभी तृप्त नहीं होतीं। समय को पैसे से तौलने से आज आदमी,समय खरीदना चाहता है,पर अपनों को समय देना भूल गया है।सस्ती ज़िंदगी का सच, सुबह की चाय अगर शांति से पी जाए-तो वही लग्जरी है माँ की मुस्कान, पिता का आशीर्वाद, बच्चों की हँसी, इनका कोई ईएमआई नहीं होता।रात को चैन की नींद आ जाए- तो समझिए आप सबसे अमीर हैं। असली महंगाई क्या है। तनाव, ईर्ष्या, अकेलापन, बेचैनी, दिखावे की मजबूरी ये सब बहुत महंगे पड़ते हैं-पैसे से नहीं, ज़िंदगी से। निष्कर्ष-ज़िंदगी आज भी उतनी ही सरल है,जितनी कभी थी,बस हमने,जीने को छोड़कर साबित करना शुरू कर दिया है। अगर हम,थोड़ा कम दिखाएँ, थोड़ा ज्यादा महसूस करें,और थोड़ा अपने भीतर लौट आएँ तो पता चलेगा -ज़िंदगी तो सच में सस्ती है, बस उसे गुजारने के तरीके हमने खुद महंगे बना लिए हैं।

आजमगढ़ में स्टांप चोरी का बड़ा खुलासा

611 लेखपत्रों में मिली गड़बड़ी, 5.22 करोड़ से अधिक की पकड़ी गई चोरी

डीएम व अधिकारियों की जांच में सामने आई अनियमितताएं, सभी मामलों में स्टांप वाद दर्ज

बूढ़नपुर और मार्टीनगंज तहसील में सर्वाधिक गड़बड़ी, परती जमीन दिखाकर भवनों का कराया गया बैनामा

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जनपद की आठों तहसीलों में अप्रैल 2025 से अब तक हुई जमीन की 2359 रजिस्ट्रियों के अभिलेखों की जांच में बड़े पैमाने पर स्टांप चोरी का खुलासा हुआ है। जांच के दौरान 611 लेखपत्रों में कमियां पाई गई, जिनमें कुल 5 करोड़ 22 लाख रुपये से अधिक की स्टांप शुल्क चोरी पकड़ी गई है। इस संबंध में एआईजी स्टांप की ओर से सभी 611 लेखपत्रों पर स्टांप चोरी की प्राथमिकी दर्ज कराई जा चुकी है। स्टांप चोरी पर लगाम लगाने के लिए जिलाधिकारी द्वारा स्वयं 50 लेखपत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। इनमें 36 लेखपत्र सही पाए गए, जबकि 14 में गड़बड़ी मिली। इन 14 मामलों में 13.46 लाख रुपये की स्टांप चोरी सामने आई। एडीएम वित्त एवं राजस्व ने 65 लेखपत्रों की जांच की, जिनमें 56 सही पाए गए और नौ मामलों में 16.31 लाख रुपये की चोरी पकड़ी गई। सहायक महानिरीक्षक निबंधन द्वारा 556 लेखपत्रों की जांच में 399 सही मिले, जबकि 112 लेखपत्रों में 1 करोड़ 1.85 लाख रुपये की स्टांप चोरी उजागर हुई। जांच में सामने आया कि कई मामलों में भवनयुक्त भूमि को परती दिखाकर बैनामा कराया गया, जबकि कुछ मामलों में लीज पर ली गई जमीन में कम स्टांप शुल्क लगाया गया। सभी मामलों में स्टांप वाद दाखिल कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। तहसीलवार स्थिति : उपनिबंधक कार्यालयों की जांच में निम्न स्थिति सामने आई– सदर: 249 निरीक्षण, 47 में कमी, 82,09,777 रुपये की चोरी, सगड़ी: 234 निरीक्षण, 32 में कमी, 68,24,940 रुपये की चोरी, फूलपुर: 195 निरीक्षण, 57 में कमी, 69,08,180 रुपये की चोरी, लालगंज: 267 निरीक्षण, 60 में कमी, 76,17,090 रुपये की चोरी, निजामाबाद: 137 निरीक्षण, 28 में कमी, 36,78,510 रुपये की चोरी, मेंहनगर: 210 निरीक्षण, 21 में कमी, 18,03,810 रुपये की चोरी, बूढ़नपुर: 243 निरीक्षण, 120 में कमी, 1,02,56,370 रुपये की चोरी, मार्टीनगंज: 269 निरीक्षण, 105 में कमी, 69,44,400 रुपये की चोरी, सबसे अधिक गड़बड़ी बूढ़नपुर और मार्टीनगंज तहसील में पाई गई।

दो प्रमुख मामलों ने खोली पोल: 22 दिसंबर 2025 को बूढ़नपुर उप निबंधक कार्यालय में दो मंजिला भवन को परती भूमि दिखाकर बैनामा कराने का मामला सामने आया। जांच में पाया गया कि मतलूबपुर में स्थित भवनयुक्त भूमि को ओमप्रकाश और दीपक द्वारा परती दर्शाकर आपस में विक्रय कर दिया गया, जिससे 6,52,170 रुपये की स्टांप शुल्क चोरी हुई। इस प्रकरण की जांच आख्या डीआईजी स्टांप को भेजी गई है। वहीं 28 जुलाई 2025 को वाराणसी-लुंबिनी राष्ट्रीय राजमार्ग पर अमौड़ा मैनुद्दीनपुर स्थित परियोजना में भी अनियमितता उजागर हुई। आंध्र प्रदेश की एक कंपनी ने एनएचआई के पक्ष में 40.55 करोड़ रुपये का अनुबंध किया था, लेकिन वित्तीय टेंडर प्रक्रिया के दौरान मात्र 100 रुपये का स्टांप लगाया गया। अभिलेखों की जांच में इस गड़बड़ी का खुलासा हुआ। एआईजी स्टांप राजेश कुमार ने बताया कि लोग स्टांप शुल्क से बचने के लिए आबादी की भूमि को परती दिखाकर रजिस्ट्री करा रहे हैं। स्थलीय जांच में ऐसे मामले सामने आए हैं। पकड़े गए सभी मामलों में स्टांप वाद दायर कर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि स्टांप चोरी से बचें और नियमानुसार शुल्क अदा करें।

घूस लेते हुए रंगे हाथ पकड़ी गई महिला दरोगा

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। वाराणसी में एक महिला चौकी प्रभारी (रिपोर्टिंग पुलिस चौकी महिला थाना) अनोषा तिवारी को 10 हजार रुपये घूस लेते रंगे हाथ पकड़ा गया। वह दहेज प्रताड़ना के केस में आरोप पत्र दाखिल करने के लिए रुपये की डिमांड कर रही थी। दहेज उत्पीड़न का दर्द झेल रही बेटी के पिता ने भ्रष्टाचार निवारण संगठन में शिकायत की। एंटी करप्शन की टीम ने जाल बिछाकर सफल ऑपरेशन किया और महिला दरोगा को पुलिस के सुपुर्द कर दिया। उसे गुरुवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

बुजुर्ग महिला के गले से उचक्की महिलाओं ने सोने की चेन उड़ाई

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर ई रिक्शा से अस्पताल जा रही महिला के गले से सहयात्री महिलाओं ने गले से सोने की चेन उड़ा दी। आरोप है कि अस्पताल से पहले ही ई रिक्सा चालक पीड़ित महिला को उतार कर भाग लिया। बताया गया है कि नगर की पुरानी बाजार निवासिनी शकुंतला देवी (75) पत्नी स्वर्गीय रामबाबू मोदनवाल घर से बीमार भतीजे को देखने के लिए एक हॉस्पिटल पहुंचने के लिए सराय से ई रिक्शा पर सवार हुई। थोड़ा दूर जाने के बाद ई रिक्शा पर तीन और औरतें जबरदस्ती आकर बैठ गई। और कुछ दूर जाने के बाद अस्पताल से पहले ही शकुन्तला देवी को उतारकर ई रिक्शा चालक जबरदस्ती बैठी महिलाओं को लेकर चलता बना। ई रिक्शा से उतरने के बाद शकुन्तला को गले से चेन गायब होने की जानकारी हुई तो घर पहुंचकर उन्होंने ने घटना की जानकारी परिजन को दी ।घटना की लिखित सूचना उक्त महिला के पुत्र शैलेश मोदनवाल ने पुलिस को दी गई है। शैलेश के अनुसार चैन का वजन ढाई तोला है ।मामले में प्रभारी निरीक्षक विनीत राय का कहना है कि तहरीर मिली है। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

सुरेरी पुलिस ने शादी का झांसा देकर अपराध कारित करने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना सुरेरी पुलिस टीम ने शादी का झांसा देकर अपराध कारित करने सम्बन्धित मुकदमें में वांछित 01 आरोपी को किया गिरफ्तार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर, कुँवर अनुपम सिंह द्वारा अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे। विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के दिशा निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूँ के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक सुरेरी राजेश कुमार मिश्र के नेतृत्व में थाना पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-16/26 धारा-69/351(2) बीएनएस थाना सुरेरी जनपद जौनपुर से सम्बन्धित आरोपी को कठवतिया मार्ग पर दशवतपुर मोड़ के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार विधिक कार्यवाही करते हुए चालान मा0न्यायालय किया गया।

अडानी गैस पाइपलाइन में भीषण रिसाव, आग लगने से मचा हड़कंम, दो लोग झुलसे

इम्तियाज अहमद, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर के थाना कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत पुलिस चौकी सिपाह के पास चाचकपुर फूल मंडी के आगे उस समय अफरा-तफरी मच गई जब अडानी गैस पाइपलाइन के सर्विस रेगुलेटर बोर्ड में जेसीबी की टक्कर से तेज गैस रिसाव शुरू हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मौके पर मौजूद कर्मचारियों द्वारा रि'साव बंद करने के प्रयास के दौरान अचानक आ'ग भड़क उठी। देखते ही देखते लपटें पास स्थित बांस की कोठ तक फैलने लगीं, जिससे आसपास के लोगों में दह'शत फैल गई। सूचना मिलते ही फायर स्टेशन चौकियां से अग्निशमन अधिकारी जौनपुर के नेतृत्व में दमकल टीम मौके पर पहुंची। जवानों ने जान जोखि'म में डालकर फायर एक्सटिंग्युशर, बुलेट और बाल्टी की मदद से आ'ग पर काबू पाया। त्वरित कार्रवाई के चलते बड़ा हा'दसा टल गया। इस दौरान मौजूद कर्मचारियों ने गैस लीकेज को पूरी तरह बंद कराया, जिसके बाद स्थिति नियंत्रण में आई। घटना में दो लोग आंशिक रूप से झुल'स गए, जिन्हें तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजवाया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते आ'ग पर काबू नहीं पाया जाता तो आसपास की दुकानों और रिहायशी इलाके में बड़ा विस्फोट हो सकता था। प्रशासन पूरे मामले की जांच में जुट गया है।

नशीला पदार्थ खिलाकर व्यापारी शोभनाथ साहू से लूटे लाखों, झाड़ियों में फेंककर हुए फरार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जहर खुरानी गिरोह के सदस्यों ने दवा व्यापारी को नशीला पदार्थ खिलाकर कीमती सोने की चेन अंगूठी लूटकर झाड़ी में फेंक कर फरार हो गये। घटना का विवरण कुछ इस प्रकार से है कि कोतवाली थाना क्षेत्र के मोहल्ला भंडारी निवासी शोभा नाथ साहू उम्र लगभग 60 वर्ष बुधवार सुबह अपने रिश्तेदारी मिजार्पुर जाने के लिए लाइन बाजार थाना क्षेत्र में स्थित जेसीज चौराहे पर बस पकड़ने के लिए खड़े थे कि एक अज्ञात व्यक्ति उनसे मिला और बातचीत करते-करते अपना विश्वास जमा लिया। अज्ञात व्यक्ति द्वारा खुद को मिर्जापुर जाने की बात बताकर कार में बैठा लिया। कार जब मड़ियाहूं कोतवाली क्षेत्र के पास से गुजर रही थी उसी समय इन्हें नशीला पदार्थ खिलाकर अचेत कर 20 ग्राम सोने की चेन तथा 3 से 4 ग्राम तक सोने की तीन अंगूठियां उतार लिया और जेब में रखे 12000 भी लूट लिया। नशीला पदार्थ खिलाकर लूटने वाले गिरोह ने जब पूरी तरह के लूट लिया तब इन्हें ग्राम पंचायत श्री गांव के पास झाड़ियों फेंक कर अपनी कार लेकर फरार हो गये। कुछ देर बाद गांव के कुछ बच्चे खेलते हुए पहुंचे तो देख कर शोर मचाया। देखते ही देखते ग्रामीणों की अच्छी खासी भीड़ एकत्रित हो गई। मौके पर जुटी में एक व्यक्ति द्वारा इस घटना की जानकारी मड़ियाहूं पुलिस को दिया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। झाड़ी में से दवा कारोबारी को बाहर निकाल कर जेब में मिली हुई डायरी से इनके घर पर फोन कर बताया गया। घरवाले पहुंच कर उन्हें जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया है जहां उनका इलाज चल रहा है। अब प्रश्न इस बात का उत्साह है कि चोर लुटेरों का हौसला इतना बुलंद हो गया है कि अब राहगीर को भी नहीं छोड़ रहे हैं। सोने की चेन और अंगूठी की अनुमानित कीमत लगभग 3:30 लख रुपए बताई गई है।

किसान गोष्ठी एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

◆ किसानों को पुरस्कृत कर किया गया सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय क्षेत्र के जमदहाँ बाजार में बुधवार को ओम एग्रीक्लिनिक एवं एग्री बिजनेस सेंटर द्वारा किसान गोष्ठी एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के 113 किसानों ने पंजीकरण कर उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। गोष्ठी के दौरान लकी ड्रा के माध्यम से किसानों को विभिन्न उपहार वितरित कर अंगवस्त्र से सम्मानित किया गया। कृषि यंत्रों की बुकिंग पर विशेष छूट दिए जाने से किसानों ने भूसा मशीन, लेजर लेवलर, रोटावेटर, सुपर सीडर, मेड़बंदी मशीन जैसे आधुनिक उपकरणों की बुकिंग कराई। यंत्र बुक करने वाले किसानों को एलईडी टीवी, स्प्रे पंप और वाटर कूलर जैसे आकर्षक उपहार लकी ड्रा के माध्यम से प्रदान किए गए। कंपनी की ओर से सभी कृषि यंत्र रियायती दरों पर उपलब्ध कराए गए। कार्यक्रम के आयोजक एवं ओम एग्रो के प्रोपराइटर सुजीत राजभर ने आगंतुक किसानों के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि इस प्रकार की गोष्ठियां किसानों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने का माध्यम बनती हैं ये किसानों को जागरूक करने का सशक्त माध्यम है। कार्यक्रम का संचालन एग्रिजोन कम्पनी के जीएम लाइजनिंग बी.एन. मिश्रा ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित एग्रिजोन कम्पनी के यूपी हेड महावीर सिंह ने किसानों को तकनीकी एवं वैज्ञानिक खेती अपनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि मजदूरों की कमी तेजी से बढ़ रही है, ऐसे में खेती को आधुनिक मशीनों की ओर स्थानांतरित करना समय की मांग है। वैज्ञानिक पद्धतियों एवं आधुनिक कृषि यंत्रों के प्रयोग से उत्पादन लागत घटेगी और किसानों की आय में वृद्धि होगी। इस अवसर पर धर्मेन्द्र कुमार सरोज एडीओ कृषि, शमसाद अहमद, अश्वनी कुमार, किसान मो. दानिश, मोहनलाल बिंद, हर्षित वर्मा, दिनेश राजभर, आनंद राय, रंजीत सिंह, एडवोकेट रिंकू मिश्रा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

शंकराचार्य पर दर्ज किए गये मुकदमे के खिलाफ कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

धर्म का अपमान रही है भाजपा सरकार- डा.प्रमोद कुमार सिंह

शंकराचार्य के समर्थन में सड़क पर उतरे कांग्रेसी, शंकराचार्य सहित अन्य संन्यासियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें प्रताड़ित करके हिंदू

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ज्योतिर्मठ पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके शिष्यों पर यौन शोषण का फर्जी मुकदमा दर्ज किए जाने के खिलाफ आक्रोशित कांग्रेसियों ने पार्टी के जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट परिसर में नारेबाजी करते हुए जिलाधिकारी कार्यालय के सामने बुधवार को धरना प्रदर्शन कर मुकदमा वापस किए जाने की मांग को लेकर प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा। धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि शंकराचार्य हिंदू धर्म के ध्वजवाहक होते है, वे साक्षात भगवान शिव के रूप में पूजे जाते हैं, ऐसे में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती,मुकुन्दानंद ब्रह्मचारी सहित अन्य बटुकों और संन्यासियों के खिलाफ विद्वेष और बदले की भावना से यौन शोषण का मुकदमा दर्ज कराया जाना हिंदू धर्म और उनकी मान्यताओं का अपमान है। डॉ.प्रमोद सिंह ने योगी आदित्यनाथ की सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को प्रयाग माघ मेला क्षेत्र में जानबूझकर अपमानित किया गया, उनके शिष्यों को मारा-पीटा गया, ब्राह्मणों की शिखाओं को पकड़ कर घसीटा गया, यह सब कृत्य स्वयं को कथित तौर पर हिंदूवादी घोषित करने वाली सरकार के मुखिया द्वारा कराया जाना सनातन धर्म का खुला अपमान है, डा. प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि हिंदू समाज और देशवासी भाजपा को इसके लिए कभी माफ नहीं करेगा। धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आरिफ खान ने शंकराचार्य पर दर्ज मुकदमे को वापस लेने एवं उच्चस्तरीय जांच की मांग करते हुए, कहा कि भारतीय संविधान में सबको धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है किंतु भाजपा सरकार बदले की भावना से धार्मिक लोगों के खिलाफ संतो को संतो लडाने का काम कर रही है इस मौके पर महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष श्रीमती रेखा सिंह, देवराज पांडेय, विनय तिवारी, राकेश सिंह डब्बू, शिव मिश्रा, राजकुमारी मिश्रा, शेर बहादुर सिंह, अरुण शुक्ला, अनिल दुबे आजाद, कृष्णचंद निषाद, राजीव निषाद,महात्मा शुक्ला, अजीत सिंह, डा.दिलीप यादव,संजय माली ,आरिफ सलमानी,प्रवेश निषाद, सभासद शहनवाज मंजूर, बबलू गुप्ता, इरशाद खान,जब्बार अली शोसल मीडिया प्रभारी शैलेन्द्र यादव,सलमानी,असरफ, विपिन यादव, डा.दिवाकर मौर्या, मु.ताहिर, शशांक शेखर तिवारी एडवोकेट,अरसी खान, मकसूद खान, रईस अहमद, जीशान अहमद, इस्तेखारूल प्रधान, सलमान आजमी, अमरनाथ यादव, सुनीता सरोज, रीना विश्वकर्मा, राकेश यादव,इकबाल हुसैन सहित अन्य लोग मौजूद रहे। धरना प्रदर्शन का संचालन संगठन प्रभारी राकेश मिश्रा ने किया। धरना प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकताओं ने धार्मिक वेश के साथ मस्तक पर पीला चंदन लगाकर प्रदर्शन किया एवं शंकराचार्य के सम्मान में जोरदार नारेबाजी की।

लाइनबाजार में शक्ति मोबाइल टीम की कार्रवाई, मनचला गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति) । महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना लाइनबाजार क्षेत्र में शक्ति मोबाइल टीम ने एक मनचले को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर कुँवर अनुपम सिंह के निर्देशन में की गई। अभियान अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव के दिशा-निर्देशन तथा सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर गोल्डी गुप्ता के निकट पर्यवेक्षण में संचालित हो रहा है। पुलिस के अनुसार आरोपी शमीर पुत्र चुन्ने उर्फ सिकराम निवासी ग्राम लाइन बाजार, थाना लाइन बाजार, जौनपुर राह चलती महिलाओं और लड़कियों को परेशान करता था। शिकायत मिलने पर शक्ति मोबाइल टीम सक्रिय हुई और उसे लाइन बाजार चौराहे से गिरफ्तार कर लिया। आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए अभियुक्त का चालान कर माननीय न्यायालय भेज दिया गया। शक्ति मोबाइल टीम की प्रभारी म0उ0नि0 पुष्पा देवी के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। टीम में हे0का0 शिवबदन, का0 मनोज यादव, म0का0 प्रीति मिश्रा तथा म0का0 आरती पाण्डेय शामिल रहीं। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि महिलाओं की सुरक्षा से समझौता किसी भी कीमत पर नहीं किया जाएगा। सार्वजनिक स्थानों पर छेड़छाड़ अथवा उत्पीड़न की शिकायत मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। जनपद पुलिस ने आमजन से अपील की है कि ऐसी किसी भी घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

एटीएम से फ्राड कर पैसा निकालने वाला आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर, कुंवर अनुपम सिंह द्वारा अपराध की रोकथाम एवं अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे । अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर के दिशा-निर्देशन एवं सहायक पुलिस अधीक्षक/ क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण में थाना लाइनबाजार पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-87/26 धारा-66 ऊआईटी एक्ट व 303(2)/317(2) बीएनएस थाना लाइन बाजार जनपद जौनपुर से सम्बन्धित वांछित आरोपी- हर्ष विश्वकर्मा पुत्र राजू विश्वकर्मा निवासी पुरानी बाजार काजी मोहल्ला थाना कोतवाली जनपद जौनपुर को पुलिस हिरासत में लेकर आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए चालान मा0 न्यायालय किया गया ।

सोनभद्र जिले में आयकर विभाग की टीम ने एक साथ कई स्थानों पर की छापेमारी

-सुशील कुमार तिवारी

ओबरा, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। में आज सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया जब आयकर विभाग की टीम ने एक साथ कई स्थानों पर छापेमारी की कार्रवाई शुरू कर दी । लगभग 25 वाहनों के काफिले के साथ पहुंची आयकर विभाग की टीम ने शहर के करीब आधा दर्जन खनन व्यापारियों के आवास पर दस्तक दे दिया। जिन व्यापारियों के यहां कार्रवाई की जा रही है वे सभी खनन कारोबार से जुड़े बताए जा रहे हैं । सूत्रों के अनुसार टीम में 60 से अधिक अधिकारी और कर्मचारी शामिल हैं। छापेमारी की कार्रवाई को गोपनीय तरीके से शुरू की गई इसके चलते स्थानीय स्तर पर अफरातफरी का माहौल बन गया । आयकर विभाग की टीम संबंधित दस्तावेज और वित्तीय लेनदेन की जांच में जुटी हुई है पूरे मामले को लेकर जनपद में चचाओं का दौड़ तेज हो गया है।

वाराणसी में मेक्सिको के रुईज और गोंजालो ने गंगा की लहरों के बीच नाव पर शादी की

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में मेक्सिको के रुईज और गोंजालो ने गंगा की लहरों के बीच नाव पर शादी की । उन्होंने सनातनी परंपरानुसार नाव पर सजी मंडप में लिए सात फेरे काशी में सनातनी परंपरानुसार मंगलवार को एक विदेशी जोड़े ने शादी रचाई। अस्सी घाट पर गंगा की बीच धारा में वैदिक विधि-विधान से विवाह हुआ। गंगा की धारा में नाव पर सजी मंडप में जोड़े ने सात फेरे लिए। वैदिक मंत्रोच्चार और शास्त्रोक्त परंपराओं विवाह की रस्में निभाई गईं। मेक्सिको सिटी निवासी रुईज कब्रोल और गोंजालो मिगुल लंबे समय से भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं से प्रभावित थे। उन्होंने अपने वैवाहिक जीवन की शुरूआत काशी में करने का निर्णय लिया। आचार्य दीपक पांडेय ने शादी करवाई। दूल्हा-दुल्हन पारंपरिक भारतीय परिधान में नजर आए। दूल्हा धोती-कुर्ता और दुल्हन लाल बनारसी साड़ी धारण की थी।इस अनोखी शादी को देखने के लिए घाट पर भ्रमण करने पहुंचे पर्यटकों की भीड़ रही। सभी अपने कैमरे और मोबाइल में इस पल को कैद करने में लगे थे।

स्काउट्स रोवर्स रेंजर्स ने मतदाता बनने हेतु किया जागरूक

18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवाओं से मतदाता बनने की किया अपील

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र के कुशल नेतृत्व में जनपद चल रही स्वीप गतिविधियों के अन्तर्गत स्काउट्स गाइड्स/रोवर्स रेंजर्स के माध्यम से मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। जिसके क्रम में स्टेशन रोड स्थित राज कालेज के मैदान में आयोजित कार्यक्रम में स्काउट्स गाइड्स/रोवर्स रेंजर्स को मतदाता बनने के लिए जागरूक किया करते हुए उन्हें जिम्मेदारी दी गई कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवाओं और जिनका नाम मतदाता सूची में छूट गया है उन सभी को मतदाता बनने के लिए जागरूक करें। विश्व विद्यालय रोवर्स रेंजर्स चीफ कमिश्नर/प्राचार्य राजा श्री कृष्ण दत्त महाविद्यालय प्रो. शम्भू राम ने रोवर रेंजर्स को प्रेरित करते हुए कहा कि 01 जनवरी 2026 को 18 वर्ष आयु पूरी करने वाले युवा मतदाता सूची में अपना नाम जरुर दर्ज करायें, और गांव-गांव में मतदाता जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने का प्रयास करें। ग्राम पंचायतों से लेकर नगरीय क्षेत्रों तक अभियान चला कर पात्र लोगों को मतदाता बनने हेतु जागरूक व प्रेरित करें। मतदाताओं को जागरूक करने के लिए आप सभी के रचनात्मक प्रयासों को लोग सदैव याद रखेंगे। उन्होंने बताया कि 125 महाविद्यालय में रोवर्स रेंजर्स संचालित है जिनके माध्यम से मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है।

जिला स्वीप कोआर्डिनेटर सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा ने कहा कि मतदाता सूची में नाम शामिल करने के लिए अपने क्षेत्र के बी0एल0ओ से मिलें या एउक्छएळ ऐप डाउनलोड कर आनलाइन आवेदन कर सकते हैं। नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए फार्म 06, व प्रवासी भारतीय मतदाताओं को फॉर्म 6क भरना है, निर्वाचक नामावली से नाम हटाने या उसके प्रति आपत्ति दर्ज करने के लिए फॉर्म 7 और निवास स्थान बदलने/मौजूदा निर्वाचक नामावली में प्रविष्टियों में सुधार करने/एपिक को बदलने/दिव्यांगजन के रूप में चिह्नित करने के लिए फॉर्म 8 भरकर आवेदन करें। इस दौरान वोटर बनने हेतु युवा छात्र छात्राओं को फार्म 6 और घोषणा पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर डी0ओसी डा0 मनोज कुमार तिवारी, प्रबंधक डा0 सत्यराम प्रजापति, ट्रेनिंग काउंसलर सुनील कुमार यादव, कार्यक्रम सहायक विकास सिंह, टी0सी0 निराली प्रजापति सहित रोवर्स रेंजर्स छात्र छात्राएं आदि उपस्थित रहे।

नगर पालिका की लापरवाही का नतीजा लबे रोड हो रहा अवैध निर्माण, पुरातत्व विभाग और मास्टर प्लान एक दूसरे के पाले में फेंक रहे गेंद

रियाजुल हक/ इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में नगर पालिका प्रशासन की निगरानी पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। ऐतिहासिक शाही किला के पश्चिमी छोर के पीछे, केरारवीर पुलिस बूथ के निकट कथित रूप से अवैध आरसीसी निर्माण कार्य जारी होने की सूचना मिली है। सूत्रों के अनुसार, नगर पालिका द्वारा पूर्व में चेतावनी दिए जाने के बावजूद निर्माणकर्ता ने चोरी-छिपे हरे रंग की तिरपाल लगाकर निर्माण कार्य को आगे बढ़ाया। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण कार्य लगातार जारी है और प्रशासन की सख्ती केवल कागजों तक सीमित दिखाई दे रही है। इस संबंध में जब उत्तरशक्ति न्यूज के उप संपादक इम्तियाज अहमद ने मास्टर प्लान से जुड़े अधिकारियों से दूरभाष पर संपर्क किया, तो उन्होंने बताया कि निर्माण कार्य प्रारंभ होने के समय ही संबंधित पक्ष को सख्ती से मना किया गया था। अधिकारियों ने यह भी कहा कि पुनः निर्माण शुरू होने की जानकारी उन्हें मीडिया के माध्यम से मिली है। अब सवाल यह उठता है कि नगर पालिका की चेतावनी के बाद भी यदि निर्माण कार्य दोबारा शुरू हो गया, तो जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा समय रहते प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं की गई? ऐतिहासिक धरोहर के निकट हो रहे इस कथित अवैध निर्माण से शहर की विरासत और सौंदर्य पर भी असर पड़ सकता है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराते हुए अवैध निर्माण पर तत्काल रोक लगाई जाए और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

मानवीय जीवन में प्रेम का टिकना संस्कार पर निर्भर करता है : प्रेमभूषण जी महाराज

-लालशेखर सिंह ब्यूरो

वसई (उत्तरशक्ति)। सनातन धर्म और संस्कृति में संस्कारवान व्यक्ति का ही महत्व है। संस्कार मानव के प्रेम को बांधता है। यह प्रेम भगवान से हो या किसी जीव से, अगर संस्कारों से युक्त है तभी टिक पाता है। विवाह संस्कार भी इसी पर आधारित होते हैं।

उक्त बातें वसई पूर्व स्थित बसन्त नगरी मैदान में निर्मित भव्य कथा मंडप में श्री राम कथा का गायन करते हुए पंचम दिन पूज्य प्रेमभूषण जी महाराज ने व्यासपीठ कहीं। श्रीराम कथा गायन के लिए लोक ख्याति प्राप्त प्रेममूर्ति पूज्य प्रेमभूषण जी महाराज ने श्रीमती मीरा विजेंद्र सिंह के पावन संकल्प से आयोजित नौ दिवसीय रामकथा में धनुष भंग और श्री सीताराम विवाह से जुड़े प्रसंगों का गायन करने के क्रम में कहा कि विवाह शब्द हिंदी में बाद में आया है। हमारी संस्कृति में इसे परिणय सूत्र बंधन कहा जाता है। एक ऐसा संस्कार जिससे पूरी सृष्टि चलती है। आज के आधुनिक समाज में इस परंपरा को लोग अपने-अपने प्रकार से जी रहे हैं। विधि विधान का लोप होता जा रहा है और तभी तो विवाह संस्कार टूटने की भी घटनाएं होती रहती हैं।

पूज्य श्री ने कहा कि सत्कर्म में गति भी भगवान की प्रेरणा से हो पाती है। विजेंद्र सिंह जी सौभाग्यशाली हैं कि तीन पीढ़ियों को साथ लेकर कथा सुन रहे हैं। उनके संकल्प की निष्ठा से यहाँ पाँचवी बार कथा गाने आया हूँ।

दुनिया में केवल सनातन धर्म ही तप करने की उचित प्रेरणा देता है। हमारे लगभग सभी सदग्रंथ यही बताते हैं की बिना तप के कुछ भी प्राप्त नहीं होता है। हमारे संस्कृति या सिखाती है कि तप करने में ही सुख है, भोग में नहीं। मनुष्य की योनि तप करने के लिए ही है। जीव की बाकी की सभी योनियां भोग योनि कही जाती हैं। पूज्यश्री के अनुसार - श्रद्धा में अर्पण और समर्पण हो तो श्रद्धा अवश्य फल प्रदान करती है। हम जो करते हैं उस पर हमें ही विश्वास नहीं होता है तो फिर कैसे भगवान का दर्शन होगा। खटपट मिटे तो झटपट दर्शन होगा। लाख कोई समझाए भटकना नहीं है। जो इष्ट हैं उनमें केवट भैया और शबरी मैया की तरह से निष्ठ रहना है। सुग्रीव जी की तरह नहीं बनाना है। भगवान से मिलने के बाद भी संसार में लिपट कर भगवान को ही भूल गए।

पूज्य महाराज जी ने कहा कि हम जिस युग में जी रहे हैं वहां कोई भी मनुष्य विकारों से दूर नहीं रह पाता है। कामनाओं के मैल मन में तरह-तरह के विकार पैदा करते रहते हैं और इससे मनुष्य का जीवन कष्टमय हो जाता है। और अगर हम सहज रहना चाहते हैं, सहज जीना चाहते हैं तो हमारे पास इस कलियुग के मल को काटने और धोने का एकमात्र साधन है श्री राम कथा। काम, क्रोध, लोभ, मद और मत्सर आदि विकार कलिमल कहे जाते हैं। इससे बचने का एकमात्र सहज साधन श्री राम कथा ही है। मानस जी में लिखा है इस कथा को जो सुनेगा, कहेगा और गाएगा वह सब प्रकार के सुखों को प्राप्त करते हुए अंत में प्रभु श्री राम के धाम को भी जा सकता है।

पूज्यश्री ने कहा कि जब मन पर कलिमल का प्रभाव हो तो चाह कर भी मनुष्य सत्कर्म के पथ पर आगे नहीं बढ़ पाता है। मनुष्य का मन और उसके बुद्धि उसके अपने कर्मों के अधीन है। हम जो भी कर्म करते हैं उसे हमारा क्रियमाण बनता है। यही कर्म फल एकत्र होकर संचित कर्म होता है और फिर कई जन्मों के लिए यह प्रारूप प्रारब्ध के रूप में जीव के साथ जुड़ जाता है। सत्कर्मों से जिसने भी अपने प्रारब्ध को बेहतर बना रखा है, इस जन्म में भी सत्कर्मों में उसी की गति बन पाती है । अन्यथा बार-बार विचार करने के बाद भी हम उस पथ पर अपने को आगे नहीं ले जा पाते हैं।

पूज्य श्री ने कहा कि अगर हमारे घर में जीवित माता-पिता हैं तो वही हमारे भगवान हैं। माता-पिता की सेवा करके हम वह सब प्राप्त कर सकते हैं जो हम भगवान से चाहते हैं। श्री रामचरितमानस में यह बताया गया है की माता-पिता की आज्ञा मानने वाले, गुरु और अपने से बड़ों की आज्ञा मानने वाले सदा ही सुखी रहते हैं। लेकिन धरती पर तीन प्रकार के लोग होते हैं। एक तो अपने प्रारब्ध के कारण सब कुछ जानने के कारण उचित कार्य ही करते हैं, दूसरे वह है जो दूसरों के अच्छे कार्य को देखकर समझ के कार्य करते हैं। और तीसरे वह हैं जो गलत करते हैं भुगतते हैं और तब उससे सीखते हैं। हमें तीसरा मार्ग अपनाने से बचना चाहिए। महाराज जी ने कहा कि सत्य मार्ग पर चलकर धन अर्जित करने वाले लोग ही शाश्वत सुख की प्राप्ति कर पाते हैं। छल प्रपंच से धर्म तो अर्जित किया जा सकता है लेकिन उसे सुख की प्राप्ति कदापि संभव नहीं है। अधर्म के पथ पर चलकर धन अर्जित करने वाले जीवन में कभी भी सुखी नहीं हो सकते हैं। दूसरों को वह दूर से सुखी तो दिखते हैं लेकिन वास्तव में वह सुखी होते नहीं है अगर उनके दिल का हाल जाना जाए तो पता चलता है कि उनके दुख की कोई सीमा नहीं है। पूज्यश्री ने बताया कि मनुष्य के जीवन में पूजा पाठ भजन क्यों आवश्यक है? आपने कहा कि जब मनुष्य धर्म कार्यों में पूजा पाठ में संलग्न हो जाता है तो उसके जीवन से भाई खासकर मृत्यु का भय बिल्कुल समाप्त हो जाता है क्योंकि तब वह धीरे-धीरे ईश्वर के निकट पहुंचने लगता है और जो व्यक्ति भगवान से संबंध स्थापित कर लेता है तो फिर उसे इस संसार की किसी भी चीज से दुख नहीं पहुंचता है। इसीलिए कहा गया है कि जो संत हैं वह दुख या सुख की स्थिति में संभव में ही रहते हैं किसी भी परिस्थिति में उनकी मन की स्थिति नहीं बदलती है। कथा के मुख्य संकल्पी विजेंद्र सिंह जी ने सपरिवार व्यास पीठ का पूजन किया और भगवान की आरती उतारी। महाराज श्री ने कई सुमधुर भजनों से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। हजारों की संख्या में उपस्थित रामकथा के प्रेमी भजनों का आनन्द लेते हुए झूमते नजर आए।

उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने चौसा मधेपुरा में नए बैंकिंग आउटलेट के साथ बिहार में अपनी मौजूदगी मजबूत की

चौसा (मधेपुरा)। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने चौसा, मधेपुरा, बिहार में अपने नए बैंकिंग आउटलेट के उद्घाटन की घोषणा की है, जिससे राज्य में इसकी मौजूदगी और मजबूत हुई है। इस लॉन्च के साथ, बिहार में बैंक का नेटवर्क 282 आउटलेट तक बढ़ गया है, जो फाइनेंशियल इनक्लूजन को बढ़ाने और कम सेवा वाले क्षेत्रों में किफायती बैंकिंग समाधान देने की अपनी निरंतर प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। नया खुला आउटलेट सेविंग्स अकाउंट, करंट अकाउंट, फिक्स्ड डिपॉजिट, रिकरिंग डिपॉजिट, और हाउसिंग लोन, बिजनेस लोन, प्रॉपर्टी पर लोन जैसे कई तरह के लोन प्रोडक्ट के साथ-साथ इंश्योरेंस और इन्वेस्टमेंट ऑफरिंग जैसी कई तरह की सर्विस देगा। सुरक्षित डिजिटल प्लेटफॉर्म के साथ, कस्टमर आसानी से बैंकिंग सर्विस का इस्तेमाल कर सकते हैं।

इस विस्तार पर कमेंट करते हुए, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के एमडी और सीईओ, गोविंद सिंह ने कहाः चौसा में हमारा विस्तार फाइनेंशियल इनक्लूजन को गहरा करने के हमारे लक्ष्य से जुड़ा है। यह ब्रांच लोगों, एंटरप्रेन्योर्स और छोटे बिजनेस को जरूरी फाइनेंशियल सर्विस तक पहुंचने में मदद करेगी, जिससे उन्हें बचत करने, इन्वेस्ट करने और आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। हम बैंकिंग को आसान, इनक्लूसिव और एम्पावर करने वाला बनाने की दिशा में काम करना जारी रखेंगे।

यह आउटलेट जॉइंट लायबिलिटी ग्रुप लेंडिंग मॉडल के तहत माइक्रो बैंकिंग सर्विस भी देगा, जिसे उन लोगों और छोटे ग्रुप के लिए डिजाइन किया गया है जिनके पास ट्रेडिशनल क्रेडिट तक पहुंच नहीं है, ताकि फाइनेंशियल एम्पावरमेंट और कम्युनिटी डेवलपमेंट को बढ़ावा मिले। कस्टमर बैंकिंग आउटलेट, माइक्रो अळट, इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, वढक और कॉल सेंटर सहित कई टचपॉइंट के जरिए सर्विस का इस्तेमाल कर सकते हैं। बैंक की डिजी ऑन बोर्डिंग पहल शाखा में जाए बिना डिजिटल रूप से खाता खोलने में सक्षम बनाती है।

गुरुग्राम में पाम ऑयल के स्वास्थ्य और पोषण संबंधी पहलुओं पर प्रमुख चिकित्सा एवं वैज्ञानिक विशेषज्ञों ने की चर्चा

मुंबई/गुरूग्राम। खाद्य तेलों और आहार वसा को लेकर बढ़ती चचाओं और अक्सर व्याप्त भ्रांतियों के बीच, प्रमुख पोषण वैज्ञानिकों, हृदय रोग विशेषज्ञों, न्यूरोलॉजिस्ट, फूड टेक्नोलॉजिस्ट और लिपिड विशेषज्ञों ने गुरुग्राम में आयोजित एक सेमिनार में शिरकत की। इस आधे दिन के सेमिनार का विषय पाम ऑयल के पोषण एवं कार्यात्मक पहलू था। इस सेमिनार का आयोजन संयुक्त रूप से ऑयल टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (डळअक) नॉर्थ जोन और फेयर लैब्स प्रा. लि. द्वारा किया गया, जिसे मलेशियन पाम ऑयल काउंसिल का सहयोग प्राप्त था। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भारत की खाद्य और पोषण प्रणाली में पाम ऑयल की भूमिका पर संतुलित और वैज्ञानिक चर्चा के लिए एक मंच प्रदान करना था।

शैक्षणिक, चिकित्सा और शोध संस्थानों से आए विशेषज्ञों ने इस पर अपने विचार साझा किए कि स्वास्थ्य और उपयोगिता के नजरिए से पाम ऑयल कैसा प्रदर्शन करता है। सत्रों में कोलेस्ट्रॉल मेटाबॉलिज्म, हृदय और लीवर का स्वास्थ्य, न्यूरोलॉजिकल प्रभाव, उच्च तापमान पर खाना पकाने के दौरान स्थिरता, फूड सेफ्टी टेस्टिंग और गुणवत्ता मानकों जैसे विषयों पर प्रस्तुतियाँ दी गईं। वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि संपूर्ण स्वास्थ्य किसी एक विशेष तेल के उपयोग या परहेज के बजाय संतुलित आहार, स्वस्थ जीवनशैली और संयम पर अधिक निर्भर करता है।

तकनीकी सत्रों के दौरान विशेषज्ञों ने बताया कि पाम ऑयल प्राकृतिक रूप से ट्रांस फैट मुक्त होता है और इसमें सैचुरेटेड तथा अनसैचुरेटेड फैटी एसिड का संतुलित मिश्रण होता है। इसमें विटामिन ई के तत्व जैसे टोकोट्रिएनॉल और टोकोफेरॉल पाए जाते हैं, जिनमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। उच्च तापमान पर स्थिर रहने की क्षमता के कारण पाम ऑयल भारतीय रसोई में तलने और भूनने जैसी विधियों के लिए बहुत उपयुक्त है। उचित उपयोग के साथ यह घरेलू और फूड सर्विस (होटल/रेस्तरां) दोनों क्षेत्रों में बेहतरीन प्रदर्शन करता है। सेमिनार में भारत की खाद्य तेल स्थिति पर भी चर्चा हुई। आयात पर निर्भरता कम करने के लिए देश में ऑयल पाम की खेती को बढ़ावा देने के प्रयासों का उल्लेख करते हुए विशेषज्ञों ने बताया कि ऑयल पाम दुनिया की सबसे अधिक पैदावार देने वाली तिलहनी फसलों में से एक है, जो प्रति हेक्टेयर अन्य फसलों की तुलना में कहीं अधिक तेल उत्पादन देती है। बढ़ती मांग को देखते हुए पाम ऑयल पोषण और फूड प्रोसेसिंग, दोनों जरूरतों के लिए एक व्यावहारिक और प्रभावी विकल्प है।

आजमगढ़ : छापेमारी में भारी मात्रा में खोया-पनीर जब्त

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जनपद में होली पर्व को देखते हुए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाने के लिए व्यापक अभियान शुरू किया है। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन लखनऊ तथा जिलाधिकारी के निर्देश पर सहायक आयुक्त (खाद्य) के नेतृत्व में गठित टीमों ने विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की। खाद्य सचल दल ने सेहदा स्थित पनीर व खोया भंडारण इकाई पर छापा मारकर आगरा से लाकर संग्रहित किए गए खाद्य पदार्थों के नमूने लिए। यहां से 02 खोया, 01 पनीर, 01 काजू बर्फी और 01 स्पेशल बर्फी का नमूना संग्रहित किया गया। अस्वच्छ परिस्थितियों और मिलावट की आशंका के चलते लगभग 548 किलो खोया (अनुमानित मूल्य 1,64,400), 149 किलो पनीर (44,700), 24 किलो काजू बर्फी (19,200) तथा 648 किलो स्पेशल बर्फी (99,200) जब्त कर नष्ट करने की कार्रवाई की गई। दूसरे सचल दल ने बोंगरिया बाजार मेंहनगर से बेसन और सरसों तेल, गोपालपुर मेंहनगर से खोया व छेना मिठाई, खरिहानी मेंहनगर से छेना मिठाई तथा मेंहनगर चौराहे से गुलाब जामुन मिक्स का नमूना संग्रहित किया। सभी नमूनों को प्रयोगशाला जांच के लिए भेज दिया गया है। अभियान के तहत अब तक 26 छापेमार कार्रवाइयों में कुल 35 नमूने संग्रहित किए गए हैं। कुल 940 किलो खाद्य पदार्थ (मूल्य 69,340) जब्त कर सीज किए गए, जबकि 1394 किलो खाद्य पदार्थ (मूल्य 3,35,000) जब्त कर नष्ट किए गए हैं। सहायक आयुक्त (खाद्य) सुशील कुमार मिश्र ने बताया कि होली तक यह अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने आमजन से अपील की कि पैक्ड खाद्य सामग्री खरीदते समय बेस्ट बिफोर और एक्सपायरी तिथि अवश्य जांचें तथा अत्यधिक चमकीली व रंगीन मिठाइयों से परहेज करें। छापेमार दल का नेतृत्व मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी दीपक कुमार श्रीवास्तव ने किया, जिसमें कई खाद्य सुरक्षा अधिकारी शामिल रहे।

बिना कुछ किये जैजै कार नहीं होती, कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती : हरिश्चन्द्र यादव

किसी की सफलता को कोई रोक नहीं सकता, बस आप सोचतोलें कि आपको बनना क्या है : हरिश्चन्द्र

जितेन्द्र कन्नौजिया

केराकत, जौनपुर उत्तरशक्ति)। ज्वाइंट इंट्रेन्स एक्जामिनेशन - मेंस (जेईई मेन्स) के पेज -1 में 98.073 परसेंटाइल हासिल कर डोभी क्षेत्र के बजरंग नगर स्थित भारतीय इण्टर मीडिएट कालेज के होनहार पूर्व छात्र हिमांशु यादव नें जिले का नाम रोशन किया है। विद्यालय परिसर में उन्हें फूल-मालाओं को पहना कर सम्मानित किया गया। कुसुमी गॉव निवासी हिमांशु यादव स्वर्गीय अरविन्द यादव के पुत्र हैं। उन्होंने बिना किसी कोचिंग के यह उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर अपनी मेधा का लोहा मनवाया है। बचपन से ही प्रखर बुद्धि के धनी हिमांशु नें तमाम विपरीत परिस्थितियों के बावजूद कभी हार नहीं मानी। साल 2018 में माता सुनीता देवी और पिता अरविन्द यादव के निधन के बाद वे पूरी तरह टूट गये थे। आर्थिक तंगी और मूलभूत जरूरतों से जूझते हुये भी उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखी और लक्ष्य की ओर निरंतर बढ़ते रहे। हिमांशु की सफलता में उनके दादा राजमन यादव, दादी प्रभावती देवी तथा चाचा अजय यादव, सुशील यादव और सतीश यादव का विशेष योगदान रहा। साथ ही विद्यालय के प्रबन्धक अरविन्द कुमार सिंह सोनू का भी मार्गदर्शन उन्हें लगातार मिलता रहा। हिमांशु की सफलता से गांव और विद्यालय में खुशी का माहौल है। शिक्षकों नें इसे कठिन परिश्रम, लगन,मेहनत और आत्मविश्वास का परिणाम बताया। यह सफता न केवल युवाओं के लिए एक मिसाल है बल्कि यह सन्देश भी देता है कि विपरीत परिस्थितियों में भी मजबूत इरादों को रोक नहीं सकती। इस अवसर पर प्रधानाचार्य हरिश्चन्द्र यादव, शिक्षक नामिशरण सिंह, रियाजउद्दीन शेख, संजय यादव, सन्तोष सिंह, अनील कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

बाबा करशूलनाथ धाम के विकास कार्यों का विधायक रमेश चंद्र मिश्र ने किया लोकार्पण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विधायक रमेश चंद्र मिश्र ने आज बदलापुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बाबा करशूलनाथ धाम करछुली, कंधीकला का जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण व पर्यटन विकास कार्य का लोकार्पण किया।करशूलनाथ धाम का जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण व पर्यटन विकास कार्य कुल लागत 02 करोड़ 33 लाख की लागत से विभिन्न विकास कार्यों को किया गया है। पर्यटन विकास के अंतर्गत पक्के घाट, सीढ़ी, शौचालय निर्माण, सोलर लाइट स्थापना, कुर्सी स्थापना का कार्य किया गया है। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष सिद्धार्थ सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष लवकुश सिंह, जिला पंचायत सदस्य आशीष सिंह आशु, मृगेंद्र सिंह शिवबाबा, महंत रिंकू महराज, ग्राम प्रधान राहुल मिश्र, अवधेश उपाध्याय, अरुण सिंह, उमा प्रताप सिंह, अजय सरोज, पीयूष सिंह, फौजदार सिंह, अखिलेश सिंह, जगदीश सिंह, जय सिंह, सुशील सिंह, राकेश नाविक, मौनी महराज, राजेश उपाध्याय, आलोक मिश्र, अमरनाथ यादव, श्रीमती पुष्पा निषाद, बब्बू सिंह, पप्पू सिंह, शिव मौर्य, मनोज मौर्य, अरविंद गौतम आदि उपस्थित रहे।

चौबेपुर में जमीन खरीद-फरोख्त के नाम पर लाखों की ठगी, आरोपी पर मुकदमा दर्ज

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के चौबेपुर थाना क्षेत्र में जमीन खरीद-फरोख्त के नाम पर लाखों रुपये की धोखाधड़ी का मामला प्रकाश में आया है। सारनाथ निवासी विनोद कुमार मोदनवाल ने चौबेपुर थाने में लिखित शिकायत देकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। चौबेपुर में जमीन खरीद-फरोख्त के नाम पर लाखों की ठगी, आरोपी पर मुकदमा दर्ज वाराणसी। चौबेपुर थाना क्षेत्र में जमीन खरीद-फरोख्त के नाम पर लाखों रुपये की धोखाधड़ी का मामला प्रकाश में आया है। सारनाथ निवासी विनोद कुमार मोदनवाल ने चौबेपुर थाने में लिखित शिकायत देकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

जनपद के विभिन्न थानों की पुलिस द्वारा कुल 1026 वाहनों का किया गया चालान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर, कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन में यातायात नियमों के अनुपालन के दृष्टिगत आज दिनांक 25.02.2026 को यातायात पुलिस व समस्त थानों द्वारा अभियान चलाकर कुल 1026 वाहनों का चालान किया गया। जनपद में अपराध नियंत्रण, कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और यातायात नियमों के पालन हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर कुंवर अनुपम सिंह के कुशल निर्देशन में पूरे जनपद में विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों के प्रमुख चौराहों, सार्वजनिक स्थानों और संवेदनशील मार्गों पर पुलिस बल द्वारा सघन चेकिंग की गई। अभियान का प्राथमिक उद्देश्य जनपद में सुरक्षा व शांति व्यवस्था बनाए रखना तथा संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की गतिविधियों पर अंकुश लगाना रहा। चेकिंग के दौरान पुलिस टीम द्वारा संदिग्ध वाहनों एवं व्यक्तियों की बारीकी से तलाशी ली गई। इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले, बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, तीन सवारी और बिना वैध प्रपत्रों के वाहन चलाने वालों के विरुद्ध सख्त रुख अपनाया गया। जनपद के विभिन्न थानों की पुलिस द्वारा कुल 1026 वाहनों का चालान कर वैधानिक कार्यवाही की गई।जौनपुर पुलिस आम जनमानस से अपील करती है कि वे सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें और सदैव यातायात नियमों का पालन करें।

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में रंगभरी एकादशी की भव्य तैयारी

संकरी गलियों में सुव्यवस्था पर विशेष जोर, फूलों की होली बनेगी मुख्य आकर्षण

वाराणसी। रंग और भक्ति के अद्भुत संगम का प्रतीक रंगभरी एकादशी पर्व को लेकर काशी में तैयारियाँ अंतिम चरण में पहुँच चुकी हैं। इस वर्ष आयोजन को अधिक व्यवस्थित, सांस्कृतिक और गरिमामय बनाने के लिए व्यापक स्तर पर प्रबंध सुदृढ़ किए गए हैं। मंदिर प्रांगण में काशीवासियों को अपने आराध्य महादेव की चल प्रतिमा के साथ पारंपरिक अबीर-गुलाल की होली खेलने हेतु आमंत्रित किया गया है, जिससे सदियों पुरानी परंपरा को उल्लासपूर्ण स्वरूप पुनः जीवंत होगा।

मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्वभूषण मिश्र ने बताया कि परंपरा के अनुसार बाबा की चल प्रतिमा बाहर से शोभायात्रा के रूप में मंदिर परिसर तक लाई जाएगी। क्षेत्र की संकरी गलियों और बढ़ती श्रद्धालु संख्या को देखते हुए पुलिस प्रशासन एवं महंत परिवार की संयुक्त बैठक में यह निर्णय लिया गया कि प्रतिमा के साथ आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 64 तक सीमित रखी जाएगी, ताकि सुरक्षा और सुव्यवस्था सुनिश्चित रह सके।

लोकाचार और शास्त्रीय परंपरा के अनुरूप चल प्रतिमा को गर्भगृह में विराजमान कराया जाएगा, जहाँ सप्तऋषि आरती सहित अन्य वैदिक अनुष्ठान विधिपूर्वक संपन्न होंगे। इस वर्ष आयोजन में एक विशेष परिवर्तन करते हुए शिवार्चनम मंच पर अबीर-गुलाल की बजाय केवल ह्लफूलों की होली का आयोजन किया जाएगा, जिससे कार्यक्रम की आध्यात्मिक गरिमा और सांस्कृतिक सौंदर्य दोनों में संतुलन बना रहे।

श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे शालीन वेशभूषा में उपस्थित हों तथा रात्रि 10 बजे तक चलने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों का अनुशासनपूर्वक आनंद लें। कार्यक्रम का समापन ब्रज के रसिक कलाकारों द्वारा प्रस्तुत फूलों की होली से होगा, जो काशी और ब्रज की सांस्कृतिक एकात्मता का सजीव प्रतीक बनेगा। ज्ञान, परंपरा और सभ्यता की प्राचीन नगरी काशी में यह आयोजन केवल उत्सव नहीं, बल्कि संस्कृति और भक्ति का सामूहिक उत्सर्जन है। आयोजकों ने श्रद्धालुओं से आग्रह किया है कि वे अपने संस्कार, शालीनता और आस्था के साथ बाबा विश्वनाथ को रंगों की भक्ति अर्पित करें।

पटना में शाओमी प्रीमियम सर्विस सेंटर का उद्घाटन

पटना। शाओमी, वैश्विक टेक्नोलॉजी प्रमुख, ने आज भारत के 15 नए शहरों में लॉन्च के साथ अपने प्रीमियम सर्विस सेंटर नेटवर्क के व्यापक रणनीतिक विस्तार की घोषणा की। यह शाओमी के पूरे देश में 100 प्रीमियम सर्विस सेंटर खोलने के प्लान का दूसरा चरण है। यह विस्तार शाओमी की वैल्यू-फॉर-एक्सपीरियंस रणनीति को और मजबूत करता है, जिसमें ग्राहकों को को ज्यादा आसान, भरोसेमंद और बिना रुकावट वाला बिक्री उपरांत बेहतर अनुभव देने पर खास ध्यान दिया गया है। कंपनी ने पटना में अपने सेंटर का उद्घाटन किया। क्रमबद्ध आधार पर खोले जा रहे नए प्रीमियम सर्विस सेंटर्स के हिस्से के तौर पर, सभी 15 नए सेंटर 2026 की पहली तिमाही में चालू हो जाएंगे। इसके साथ ही विस्तार योजना के पहले और दूसरे चरण में प्रीमियम सर्विस सेंटर की कुल संख्या 25 हो जाएगी। शाओमी के प्रीमियम सर्विस सेंटर अभी मदुरै, त्रिवेंद्रम, बैंगलोर, हैदराबाद, कोच्चि, चेन्नई, कोलकाता, दिल्ली, जयपुर, मुंबई, पुणे, अहमदाबाद, लुधियाना, सूरत, विशाखापत्तनम, इंदौर, सूरत और लखनऊ में चालू हैं।

वसई-विरार में बाढ़ नियंत्रण के लिए होल्डिंग तालाब को बढ़ावा मिला

वसई-विरार । वसई-विरार शहर में हर वर्ष मानसून के दौरान भारी बारिश के कारण बाढ़ आती है और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है, जिससे जन-धन को नुकसान सहना पड़ता है। इससे निपटने के लिए अब एक महत्वपूर्ण पहल को बढ़ावा मिला है। सूत्रों के अनुसार, स्थानीय भाजपा विधायक राजन नाइक की कोशिशों के बाद राज्य सरकार ने वसई-विरार म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन को तुरंत होल्डिंग तालाब के लिए एक विस्तृत प्रस्ताव जमा करने का निर्देश दिया है। यह निर्देश डिजास्टर मैनेजमेंट विभाग द्वारा जारी किया गया है। रिपोर्ट एवं अध्ययन समितियों द्वारा सुझाए गए समाधान के अनुसार, शहर में होल्डिंग तालाबों का निर्माण बाढ़ की समस्याओं को काफी हद तक नियंत्रित कर सकता है। इस दिशा में अनुमानित लागत लगभग 117 करोड़ रुपये है, जिसमें से अनुमानित 50 करोड़ रुपये की मांग भाजपा राजन नाइक ने डिजास्टर मैनेजमेंट मंत्री गिरीश महाजन के समक्ष रखी थी और उस पर आगे कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं। (सूत्र आधारित विवरण)पालघर ज़िला मजिस्ट्रेट के आदेशानुसार, नगर निगम के सिटी इंजीनियर्स को NDMA-गाइडलाइंस के अनुरूप प्रस्ताव तैयार कर तुरंत राज्य सरकार को प्रस्तुत करने का आदेश दिया गया है। इससे वसई-विरार क्षेत्र में होल्डिंग तालाब निर्माण के लिए ठोस मंजूरी की प्रक्रिया शुरू हो रही है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में उद्योग बंधु की बैठक संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में उद्योग बंधु की बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने उद्यमियों से संबंधित समस्याओं की समीक्षा की तथा उनके शीघ्र समाधान के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जनपद में उद्योगों को बढ़ावा देना प्रशासन की प्राथमिकता है। उद्यमियों की समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि जनपद में निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हो सके। बैठक में उद्योग विभाग द्वारा औद्योगिक क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विकास के संबंध में जानकारी दी गई। इस दौरान निर्देश दिए गए कि जिन औद्योगिक क्षेत्रों/पार्कों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की व्यवस्था नहीं है, वहां इसे प्राथमिकता के आधार पर स्थापित कराया जाए। इसके साथ ही इंटरलॉकिंग, हाई मास्ट लाइट, सॉइल सपोर्ट सहित अन्य आवश्यक कार्यों को परियोजना में सम्मिलित करते हुए शीघ्र पूर्ण कराया जाए।

उद्योग बंधु के सदस्यों द्वारा उठाई गई समस्याओं पर जिलाधिकारी द्वारा संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि सभी प्रकरणों का नियमानुसार एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में विद्युत विभाग के एससी और एक्सईएन के अनुपस्थित रहने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए। इस अवसर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, एसपी, सिटी आयुष श्रीवास्तव, अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 परमानंद झा, डिप्टी कमिश्नर इंडस्ट्री आशुतोष सहाय पाठक, असिस्टेंट कमिश्नर इंडस्ट्री जय प्रकाश, बैठक में उद्योग बंधु के पदाधिकारी, उद्यमीगण तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित जनसुनवाई कक्ष में अभियोजन कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित जनसुनवाई कक्ष में अभियोजन कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि चिन्हित माफियाओं को सजा दिलाने हेतु प्रभावी कार्यवाही की जाए। विशेष रूप से गंभीर मामलों में प्रभावी पैरवी की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि पॉक्सो एक्ट और महिला अपराध से सम्बन्धित मामलों में प्रभावी कार्यवाही की जाए। उन्होंने शासकीय अधिवक्ता और अभियोजन अधिकारी को निर्देशित किया कि अधिक से अधिक मुकदमों का निस्तारण करें। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह, अपर जिलाधिकारी वि0 एवं रा0 परमानंद झा, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण तथा शहरी, अभियोजन अधिकारीगण और शासकीय अधिवक्तागण सहित अन्य उपस्थित रहे।

दो वाहन में टक्कर मारने पर पिकअप चालक व मालिक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

गोधना तिराहे पर पिकअप से बाइक में टक्कर मारने से दो युवको की मौत हुई थी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मीरगंज थाना क्षेत्र के गोधना तिराहे पर सोमवार की शाम पिकअप की टक्कर से मृत बाईक सवार दो युवको की मौत के बाद पुलिस ने मृतक कुंदन के पिता की तहरिर पर वाहन चालक व वाहन मालिक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्रभारी थानाध्यक्ष मीरगंज सुनील कुमार यादव ने बताया की विनोद कुमार पुत्र लौधर नि० ग्राम दरापुर करियाँव थाना मीरगंज ने तहरीर देकर आरोप लगाया है की घटना दिनांक 23.02.2026 को समय लगभग 5.30 शाम की है मेरा लड़का अनुराग उर्फ कुंदन पुत्र विनोद कुमार गौतम व सुशान्त कुमार गौतम पुत्र स्व० अमृतलाल निवासी ग्राम मानिकपुर थाना बरसठी दोनो बारहवीं की परीक्षा जनता इण्टर कलेज चितॉंव से देकर वापस आ रहे थे। तभी जंघई मछलीशहर मार्ग पर गोधना तिराहे के पास तेज रफ्तार से आ रही पिकप UP62BT4142 जिस गाडी में सवार खुद गाडी मालिक व चालक मौजूद थे । चालक अत्यधिक शराब पिया हुआ था । और बिना हार्न बजाये लापरवाही तरीके से पिकप को लहराते हुए बाइक UP51BN5302 MT15 में पीछे से टक्कर मार दिया। जिससे दोनो लडको की मौके पर ही मृत्यु हो गयी और पिकप में सवार गाड़ी मालिक संतोष कुमार उर्फ गुड्डू पुत्र बद्री प्रसाद फरार हो गया और क्षेत्रीय लोगो द्वारा पिकप तथा पिकप चालक कालिका प्रसाद पुत्र राजनरायन यादव निवासी ग्राम भिदूना (गुरगुजी) थाना मीरगंज जनपद जौनपुर को पकड लिया गया । जो पुलिस हिरासत में है। जिस पर पुलिस ने वाहन चालक व मालिक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया लिया है। और आगे की कार्यवाही करने में जुटी हुई है।

विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने विधानसभा में उठाया शाहपुर तालुका के आदिवासी लाभार्थियों का पैसा भुगतान मुद्दा

वसई। स्नेहा दुबे पंडित, विधायक एवं स्थानीय प्रतिनिधि ने महाराष्ट्र विधानसभा के बजट सत्र में शाहपुर तालुका के आदिवासी-कातकरी घरकुल योजना के लाभार्थियों को लंबित धनराशि भुगतान का मुद्दा गंभीरता से उठाया ।ठाणे जिले के शाहपुर तालुका, जो मुंबई से लगभग 100 किलोमीटर दूर है, में आदिवासी कातकरी और अन्य गरीब आदिवासी समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति अब भी असंतोषजनक बनी हुई है। स्थायी रोजगार के अभाव में कई परिवारों को आजीविका के लिए पलायन करना पड़ रहा है ।वर्षों से श्रमजीवी संगठनों ने मांग की कि आदिवासी समुदायों को स्थायी घर और सम्मान के साथ रहने का अवसर मिले, जिसके चलते सरकार ने जन-मन घरकुल योजना की घोषणा की थी। योजना के तहत कुल लगभग 2,39,000 प्रति घर सहायता का प्रावधान है, जिसमें मजदूरी, शौचालय तथा आश्रय राशि शामिल हैं ।लेकिन लाभार्थियों में से कई ने अपनी हालत के बावजूद घर का निर्माण शुरू कर दिया था, परंतु तीसरी किस्त तथा मजदूरी और शौचालय निधि की अधिकांश राशि अब तक लंबित है ।इस पर विधायक स्नेहा ताई दुबे पंडित ने तारांकित प्रश्न संख्या 25282 के माध्यम से सदन में पूछा तथा तेज भुगतान की मांग की। उन्होंने बताया कि औसतन प्रति घर लगभग 25 लाख की सहायता मिलनी थी लेकिन केवल 60,000 (तीसरी किस्त 20,000 + मजदूरी 27,000 + शौचालय ?12,000) तक ही भुगतान हुआ है ।आदिवासी विकास मंत्री डॉ. अशोक वुइके ने स्पष्ट किया कि मजदूरी की रकम केंद्र सरकार से मिलेगी और जैसे ही राशि प्राप्त होगी, संबंधित लाभार्थियों को वितरित कर दी जाएगी। विधानसभा स्पीकर डॉ. राहुल नार्वेकर ने भी कहा कि केंद्र से मिलने वाली धनराशि को राज्य सरकार समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित करना जरूरी है और इस बारे में अगली बैठक में स्पष्ट स्थिति बताने का निर्देश दिया ।आदिवासी विकास मंत्री ने सदन को भरोसा दिलाया कि जल्द ही बैठक आयोजित कर लंबित भुगतान का सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा, ताकि लाभार्थियों को उनका हक मिल सके।

श्री श्याम सत्संग भवन मंदिर द्वारा आयोजित पाटोत्सव महोत्सव में शामिल हुए पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी

कांदिवली। श्री श्याम सत्संग भवन मंदिर द्वारा आयोजित 13 वें पाटोत्सव महोत्सव (संतवाडी) के भव्य आयोजन में उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने विशेष रूप से उपस्थिति दर्ज कराई। श्री श्याम सत्संग भवन, महावीर नगर, एकता नगर ,कांदिवली-पश्चिम में हुए इस धार्मिक महोत्सव में जनसेवक गोपाल शेट्टी के साथ श्रीमद्भागवत कथाकार परम पूज्य श्री भूपेंद्रभाई पंड्या सहित भारी संख्या में श्याम भक्त नागरिक उपस्थित थे।

वसई में एक रिक्शा चालक की ईमानदारी समाज के लिए प्रेरणादायक

वसई । वसई इलाके के ईमानदार रिक्शा चालक सतीश मेहर को सड़क पर लगभग 10-12 तोला सोना मिला, लेकिन उन्होंने उसे अपने पास रखने के बजाय सच्ची नीयत से उसके असली मालिक को लौटा दिया। आज के समय में इस तरह की ईमानदारी वास्तव में सराहनीय है और समाज के लिए गर्व की बात है। इस सराहनीय कार्य के लिए पालघर के खासदार डॉ. हेमंत सावरा ने सतीश मेहर को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग समाज के लिए प्रेरणा हैं और उनके इस कार्य से ईमानदारी तथा नैतिक मूल्यों को बढ़ावा मिलता है। यह घटना हमें याद दिलाती है कि ईमानदारी ही सबसे बड़ी संपत्ति है। सतीश मेहर जैसे आदर्श नागरिकों की वजह से वसई की पहचान और अधिक उज्ज्वल होती है।

मीरा रोड में ऑटो रिक्शा में गैर-कानूनी तरीके से अंग्रेजी शराब सप्लाई करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड में कल एम बी वीवी पुलिस कमिश्नरेट के डिप्टी कमिश्नर राहुल चव्हाण को एक तांत्रिक सूचना से जानकारी मिली कि मीरा रोड में मिराज वाइन शॉप से ऑर्केस्ट्रा लेडीज बार और जेंट्स बार में गैर-कानूनी अंग्रेजी शराब सप्लाई की जा रही है। डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस राहुल चव्हाण, के ऑफिस की टीम ने कुल 2 लाख 60 रुपये की अंग्रेजी शराब और दो ऑटो रिक्शा जब्त किए हैं, और दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दो आरोपी गिरफ्तार मिराज वाइन शॉप के मालिक की परमिशन से मिराज वाइन शॉप से लेडीज ऑर्केस्ट्रा बार और जेंट्स बार में गैर-कानूनी तरीके से अंग्रेजी शराब बेची जा रही थी। पुलिस ने मिराज वाइन शॉप के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है और ड्राइवर, मालिक और मैनेजर को वॉन्टेड कर दिया है। यह कार्रवाई एम बी वीवी कमिश्नरेट के डिप्टी कमिश्नर राहुल चव्हाण, के निगरानी में एच सी अभिजीत ठाकुर, शिवम होपले, और मीरा रोड पुलिस स्टेशन की टीम ने यह कार्रवाई की है।

एचडीएफसी बैंक ने गुवाहाटी में नई टेक और डिजिटल फैक्ट्री का शुभारंभ किया

पटना। एचडीएफसी बैंक ने गुवाहाटी में अपनी नई टेक और डिजिटल फैक्ट्री का शुभारंभ किया। यह सुविधा असम में एडवांस्ड टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट, इनोवेशन और टैलेंट इनक्यूबेशन के लिए कार्य करेगी। बैंक की यह असम में पहली और देश में चौथी टेक और डिजिटल फैक्ट्री है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने किया। एचडीएफसी बैंक के डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर कैजाद भरूचा और चीफ इन्फॉर्मेशन ऑफिसर रमेश लक्ष्मीनारायण भी उपस्थित थे। इस सुविधा के माध्यम से राज्य के स्किल्ड प्रोफेशनल्स को करियर के अवसर मिलेंगे और वे अगली पीढ़ी की टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट में योगदान दे सकेंगे।

प्रतीक्षा नगर में सड़क के किनारे खड़े डंपर और टैंकर से दुर्घटना का अंदेशा बरकरार

-मनोज राय

मुंबई(उत्तरशक्ति)। प्रतीक्षा नगर के वरिष्ठ समाज सेवी सुरेंद्र कुमार सिंह ने महानगर पालिका एफ उत्तर वार्ड के अधिकारियों का ध्यान एक बहुत ही गंभीर समस्या की तरफ आकृष्ट कराया है।

प्रतिक्षा नगर के आसपास एसआरए (SRA)अंतर्गत ढेर सारी बिल्डिगों का निर्माण कार्य चल रहा है। यहीं बने मोनो रेल के नीचे सड़क के दोनों तरफ करीब 60 से 70 की संख्या में डंपर एवं सीमेंट रेती मिक्स करने वाली गाड़िया बड़े ही बे तरतीब ढंग से खड़ी रहती हैं। जिससे इस जगह पर अक्सर दुर्घटनाएं हो रही हैं। महानगरपालिका के अधिकारी आँख और कान बंद करके बैठे हैं। सुरेंद्र कुमार सिंह नेअधिकारियों से पूछा है कि क्या यह रोड टैंकर एवं डंपर के लिए रिजर्व हो गई है? यहां सुरक्षा के जरूरी इंतजाम क्यों नहीं हैं? अक्सर होने वालीं इन दुर्घटनाओं का जिम्मेदार कौन है? यदि शीघ्र समस्या का समाधान नहीं किया गया तो एफ उत्तर वार्ड के कार्यालय पर एक मोर्चा निकाला जाएगा।

बीएमसी शिक्षा समिति की अध्यक्ष पद पर चयनित राजेश्री ताई राजेश शिरवडकर का अभिनंदन

मुंबई। सोमवार को बृहन्मुंबई महानगरपालिका शिक्षा समिति के अध्यक्ष पद पर चयनित होने के उपलक्ष्य में सौ. राजेश्री ताई राजेश शिरवडकर का पुष्पगुच्छ देकर हार्दिक अभिनंदन किया गया। उन्हें उनके उज्ज्वल भविष्य और सफल कार्यकाल हेतु शुभकामनाएँ दी गईं। इस अवसर पर उन्हें एक पत्र सौंपा गया, जिसमें मुंबई महानगरपालिका के विद्यालयों में छात्राओं के लिए विभिन्न प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम शुरू करने का प्रस्ताव रखा गया। प्रस्ताव में निम्नलिखित बातें शामिल थीं:सेल्फ डिफेन्स प्रशिक्षण -लड़कियों को सुरक्षा के उपायों की जानकारी देना। ब्यूटी पार्लर कोर्स और सिलाई/ टेलरिंग कोर्स -लड़कियों के व्यावसायिक कौशल बढ़ाने हेतु। मासिक धर्म (पीरियड) संबंधी जागरूकता इसमें लड़कियों को मासिक धर्म की आयु, उसके लक्षण और आवश्यक वस्तुओं के उपयोग की जानकारी देने का सुझाव शामिल था। इस पत्र को समाजसेवक सुखबिंदर सिंह (लाला भाई) ने सौंपा और सविनय निवेदन किया। इस पहल से छात्राओं को व्यक्तिगत सुरक्षा, स्वास्थ्य और व्यावसायिक कौशल के क्षेत्रों में सशक्त बनाने की दिशा में कदम बढ़ाने की संभावना है।

भारत की योग परंपरा का वैश्विक सम्मान, डॉ. अजय रवींद्र कुंभार की उपलब्धि

मुंबई(उत्तरशक्ति)। मुंबई के योग गुरु डॉ. अजय रवींद्र कुंभार को श्रीलंका स्थित स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र तथा भारतीय उच्चायोग, श्रीलंका द्वारा विशेष प्रशंसा-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान उन्हें वर्ष 2020 से जारी ऑनलाइन योग सत्रों में उनके उत्कृष्ट योगदान और नियमित, संरचित योग कार्यक्रमों के माध्यम से स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन एवं भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के प्रचार के लिए दिया गया। डॉ. कुंभार की सेवाओं ने न केवल श्रीलंका में भारतीय संस्कृति और योग की पहचान को मजबूत किया है, बल्कि वसुधैव कुटुंबकम की भावना को साकार करते हुए भारत की आध्यात्मिक विरासत को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठित किया है। स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय उच्चायोग के तहत, भारतीय कला, संस्कृति और योग के प्रचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसे प्रतिष्ठित संस्थान से प्राप्त यह सम्मान सम्पूर्ण देश के लिए गर्व का विषय है। डॉ. कुंभार की यह उपलब्धि न केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता है, बल्कि भारत की प्राचीन योग परंपरा, सांस्कृतिक धरोहर और आध्यात्मिक शक्ति का वैश्विक गौरव भी है।

फोनपे ने लॉन्च किया AI-आधारित सर्च फीचर

मुंबई। फोनपे ने आज एक नया AI-पावर्ड 'नेचुरल लैंग्वेज सर्च' फीचर लॉन्च किया है, जिसे माइक्रोसॉफ्ट फाउंड्री की मदद से बनाया गया है। इस फीचर की खासियत यह है कि अब फोनपे इस्तेमाल करने वाले लोग इन-ऐप टास्क को टेक्स्ट या वॉयस कमांड देकर कर सकेंगे। इससे ऐप को इस्तेमाल करना पहले से कहीं ज्यादा आसान हो जाएगा और हर यूजर को अपनी जरूरत के हिसाब से बेहतर अनुभव मिलेगा। यह फीचर माइक्रोसॉफ्ट फाउंड्री की टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करता है, जिससे अब आपको ऐप के अंदर अलग-अलग बटन ढूंढने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यह सीधे आपकी बात को समझकर आपको सही जगह पर पहुँचा देता है। उदाहरण के लिए, अगर आप कहते हैं हेमंत को 20 रुपये भेजो, तो ऐप अपने आप पेमेंट वाला पेज खोल देगा और हेमंत का नाम चुन लेगा। इसी तरह, फास्टैग रिचार्ज या गोल्ड का भाव जैसे कमांड देने पर ऐप आपको सीधे उस पेज पर ले जाएगा जहाँ आपको आपकी जरूरत की जानकारी या ट्रांजैक्शनल का ऑप्शन मिल सके।

यह फीचर सिर्फ पैसे भेजने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह आपकी जरूरत को भी समझ लेता है। यह आसानी से पहचान सकता है कि आप पेमेंट करना चाहते हैं, कुछ खरीदना चाहते हैं या फिर मदद के लिए कस्टमर सपोर्ट से बात करना चाहते हैं। यह सब एक खास 'हाइब्रिड मॉडल' के जरिए मुमकिन होता है, जिसमें फोन और क्लाउड दोनों का इस्तेमाल किया जाता है। सबसे अच्छी बात यह है कि यह पूरी तरह सुरक्षित है और आपकी कोई भी निजी जानकारी या ट्रांजैक्शन डेटा फोनपे से बाहर नहीं जाता है। इस लॉन्च के मौके पर फोनपे के को-फाउंडर, होल-टाइम डायरेक्टर और उळड, राहुल चारी ने कहाः ̄सालों से पेमेंट ऐप्स को केवल एक मशीन या टूल की तरह बनाया गया है, जिन्हें सिर्फ ट्रांजेक्शन के लिए बेहतर बनाया गया, न कि लोगों की सहूलियत के लिए। यह लॉन्च उस सोच को बदलने की दिशा में हमारा पहला कदम है। माइक्रोसॉफ्ट भारत और दक्षिण एशिया के प्रेसिडेंट, पुनीत चंडोक ने कहाः ̄जैसे-जैसे भारत के लोग डिजिटल सेवाओं के साथ अपनी भाषा में बात करना पसंद कर रहे हैं, फोनपे का यह नया अकअनुभव डिजिटल पेमेंट को और भी आसान और बेहतर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। माइक्रोसॉफ्ट फाउंड्री ऐसी तकनीक देता है जो फोनपे जैसे नए दौर की कंपनियों को करोड़ों लोगों के लिए सुरक्षित और इंसानी जरूरतों को समझने वाले प्रोडक्ट्स बनाने में मदद करती है। हम भारत के डिजिटल जगत को भरोसेमंद अकके साथ आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, ताकि कंपनियां अपने ग्राहकों को पहले से कहीं ज्यादा सरल और शानदार अनुभव दे सकें। यह फीचर पूरे भारत में धीरे-धीरे (चरणों में) सभी यूजर्स के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। लोग इसे फोनपे ऐप के 'ग्लोबल सर्च बार', 'हेल्प सेंटर' और 'हिस्ट्री' वाले सेक्शन में जाकर आसानी से इस्तेमाल कर सकते हैं।